राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के अन्तर्गत महाविद्यालय एवं स्कूल स्तर तबला के पाठ्यक्रम नियमित एवं स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु

परिशिष्ठ क्रमांक	पाठ्यक्रम
	परीक्षा अंकन योजना
परिशिष्ठ कं. 01	बी. म्यूज तबला
परिशिष्ठ कं. 02	बी.ए. तबला
परिशिष्ठ कं. 03	बी.ए. आनर्स तबला
परिशिष्ठ कं. 04	एम. म्यूज /एम.ए. तबला
परिशिष्ठ कं. 05	सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा कोर्स तबला
परिशिष्ठ कं. 06	बी. म्यूज. स्वाध्यायी तबला
परिशिष्ठ कं. 07	बी. ए. स्वाध्यायी तबला
परिशिष्ठ कं. 08	एम. म्यूज./एम.ए. स्वाध्यायी तबला
परिशिष्ठ कं 09	संगीत कला प्रवेशिका एवं मध्यमा तबला
परिशिष्ठ कं 10	संगीत कला विद्/ संगीत कला रत्न तबला
	महाविद्यालय स्तर के नियमित पाठ्यक्रम
परिशिष्ठ क.–11	बी. म्यूज – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 01 तबला
परिशिष्ठ क.–12	बी. म्यूज – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 01 सहायक विषय गायन (प्रायोगिक)
परिशिष्ठ क.–13	बी. म्यूज – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 02 तबला
परिशिष्ठ क.–14	बी. म्यूज – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 02 सहायक विषय गायन (प्रायोगिक)
परिशिष्ठ क.–15	बी. म्यूज – द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 03 तबला
परिशिष्ठ क.–16	बी.म्यूज–द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 03 सहायक विषय सुगम संगीत (प्रायोगिक)
परिशिष्ठ क.–17	बी. म्यूज – द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 04 तबला
परिशिष्ठ क.–18	बी.म्यूज–द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 04सहायक विषय लोक संगीत (प्रायोगिक)
परिशिष्ठ क.–19	बी. म्यूज – तृतीय वर्ष सेमेस्टर 05 तबला
परिशिष्ठ क.–20	बी. म्यूज – तृतीय वर्ष सेमेस्टर 06 तबला
परिशिष्ठ क.–21	बी.ए. – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 01 तबला
परिशिष्ठ क.–22	बी.ए. – प्रथम वर्ष सेमेस्टर 02 तबला
परिशिष्ठ क.–23	बी.ए.– द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 03 तबला
परिशिष्ठ क.–24	बी.ए.– द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 04 तबला
परिशिष्ठ क.–25	बी.ए. – तृतीय वर्ष सेमेस्टर 05 तबला
परिशिष्ठ क.–26	बी.ए. – तृतीय वर्ष सेमेस्टर 06 तबला

परिशिष्ठ क.–27	बी.ए. आनर्स.– द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 03 तबला
परिशिष्ठ क.–28	बी.ए. आनर्स.–द्वितीय वर्ष सेमेस्टर 04तबला
परिशिष्ठ क.–29	बी.ए. आनर्स. – तृतीय वर्ष सेमेस्टर 05 तबला
परिशिष्ठ क.–30	बी.ए. आनर्स. – तृतीय वर्ष सेमेस्टर 06 तबला
परिशिष्ठ क.–31	एम. म्यूज/एम.ए. पूर्वार्द्ध सेमेस्टर 01 तबला
परिशिष्ठ क.–32	एम. म्यूज /एम.ए. पूर्वार्द्ध सेमेस्टर 02 तबला
परिशिष्ठ क.–33	एम. म्यूज /एम. ए. उत्तरार्द्ध सेमेस्टर 03 तबला
परिशिष्ठ क.–34	एम. म्यूज /एम.ए. उत्तरार्द्ध सेमेस्टर 04 तबला
परिशिष्ठ क.–35	सर्टिफिकेट कोर्स (एक वर्षीय) तबला
परिशिष्ठ क.–36	डिप्लोमा कोर्स (एक वर्षीय) तबला
परिशिष्ठ क.–37	एडवांस डिप्लोमा कोर्स (एक वर्षीय) तबला
	महाविद्यालय स्तर के स्वाध्यायी पाठ्यक्रम
परिशिष्ठ क.–38	बी. म्यूज – प्रथम वर्ष (स्वाध्यायी) तबला
परिशिष्ठ क.–39	सहायक विषय गायन (प्रायोगिक)
परिशिष्ठ क.–40	बी. म्यूज – द्वितीय वर्ष (स्वाध्यायी) तबला
परिशिष्ठ क.–41	सहायक विषय सुगम एवं लोक संगीत (प्रायोगिक)
परिशिष्ठ क.–42	बी. म्यूज – तृतीय वर्ष (स्वाध्यायी) तबला
परिशिष्ठ क.–43	बी.ए.– प्रथम वर्ष (स्वाध्यायी) तबला
परिशिष्ठ क.–44	बी.ए.– द्वितीय वर्ष (स्वाध्यायी) तबला
परिशिष्ठ क.–45	बी.ए.– तृतीय वर्ष (स्वाध्यायी) तबला
परिशिष्ठ क.–46	एम. म्यूज/एम. ए. स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम एम.ए. पूर्वार्द्ध
परिशिष्ठ क.–47	एम. म्यूज/एम. ए. स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम एम.ए. उत्तरार्द्ध

	स्कूल स्तर के पाठ्यक्रम
परिशिष्ठ क.–48	संगीत कला प्रवेशिका – प्रथम वर्ष तबला
परिशिष्ठ क.–49	संगीत कला प्रवेशिका – अंतिम वर्ष तबला
परिशिष्ठ क.–50	संगीत कला मध्यमा – प्रथम वर्ष तबला
परिशिष्ठ क.–51	संगीत कला मध्यमा – अंतिम वर्ष तबला
परिशिष्ठ क.–52	संगीत कलाविद् प्रथम वर्ष तबला
परिशिष्ठ क.–53	संगीत कलाविद् –अंतिम वर्ष तबला
परिशिष्ठ क.–54	संगीत कलारत्न – प्रथम वर्ष तबला
परिशिष्ठ क.–55	संगीत कलारत्न अंतिम वर्ष तबला

आवश्यक निर्देश :–

1. इस पाठ्यक्रम को केवल वर्ष 2013 में प्रवेश लेने वाले छात्र ही देखें। वर्ष 2013 के पूर्व प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी पुराने पाठ्यक्रम (ओल्ड सेलैबस) के कॉलम में देखें। क्योंकि वर्ष–2013 के पाठ्यक्रम और स्कीम(परीक्षा अंकन योजना) में परिवर्तन हुआ है।
2. वर्ष–2013 में बी.म्यूज. 3 वर्ष का हो गया है, इसके पूर्व चार वर्ष का था।
3. वर्ष–2013 से पूर्व में एम.म्यूज/एम.ए. के पाठ्यक्रम के प्रत्येक वर्ष में थ्योरी के 6 प्रश्न पत्र थे वर्तमान में मात्र 4 प्रश्न पत्र हो गये है।
4. गायन के शिक्षक तबले के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के सहायक विषय(गायन) को, तबले के पाठ्यक्रम (सेलैबस) में देखें, तथा तबले के शिक्षक गायन के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के सहायक विषय(तबला) को, गायन के पाठ्यक्रम (सेलैबस) में देखें।
5. वर्ष 2013 में सहायक विषयों के लिखित प्रश्नपत्र हटाकर मात्र प्रायोगिक पक्ष 50 नम्बर का रखा गया है।
6. वर्ष 2013 में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा आदि सभी प्रकार के कोर्सों में आन्तरिक मूल्यांकन 50 नम्बर का नया स्कीम शुरू हुआ है। जिसमें कक्षा में सीखे पढ़े सांगीतिक नोट्स की फाईल और सांगीतिक कार्यक्रमों की रिपोर्ट फाइल दो अलग–2 बाह्य परीक्षक के समक्ष आन्तरिक परीक्षक को दिखाना है। फिर आन्तरिक परीक्षक उस फाईल को देखकर नम्बर चढ़ाकर फाईल विद्यार्थी को वापस देगा।
7. बी.ए. आनर्स का आन्तरिक मूल्यांकन तीनों विषयों के कक्षाध्यापक की कमेटी बनाकर अपने–अपने विषयों की फाईल देखकर संयुक्त रूप से नम्बर चढ़ायेंगे।
8. वर्ष 2013 में पाश्चात्य संगीत गिटार एवं कीबोर्ड तथा सुगम संगीत एवं लोकसंगीत में भी डिप्लोमा कोर्स संचालित किये गये हैं।

कृपया उपर्युक्त निर्देशों को ध्यान से पढ़कर इनके अनुसार पाठ्यक्रम का संचालन किया जाये अन्यथा इस विषय पर कोई तकनीकी परेशानी होने पर वि. वि. जिम्मेदार नहीं होगा।

परिशिष्ठ क्र.–1

MARKING SCHEME OF EXAMINATION

B.MUS. TABLA (I YEAR) I –SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP (Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI (Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	THEORY- music theory	85	28	15	5	100
	PRACTICAL Demonstration and viva	200	66			200
4	**Vocal (subsidiary) PRACTICAL** Demonstration and viva	50	17			50
5	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.MUS. (I YEAR)I I-SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP (Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH (Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	THEORY- music theory	85	28	15	5	100
	PRACTICAL Demonstration and viva	200	66			200
4	**Vocal (subsidiary) PRACTICAL** Demonstration and viva	50	17			50
5	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.MUS.(II YEAR) III-SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY (Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI (Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	THEORY- Music Theory	85	28	15	5	100
	PRACTICAL- Demonstration and viva	200	66			200
4	**LIGHT MUSIC (subsidiary) PRACTICAL** Demonstration and viva	50	17			50
5	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.MUS. (II YEAR) (IV-SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	Theory- Music theory	85	28	15	5	100
	PRACTICAL Demonstration and viva	200	66			200
4	**FOLK MUSIC** (subsidiary) PRACTICAL Demonstration and viva	50	17			50
5	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.MUS. (III YEAR) (V- SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**Computer** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**TABLA**					
	THEORY-I Music theory	63	21	12	4	75
	THEORY-II applied principal of theory	63	21	12	4	75
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
3	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.MUS. (III YEAR) (VI-SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**Computer** (Foundation)	42	14	8	3	50
2	**TABLA**					
	THEORY-I music theory	63	21	12	4	75
	THEORY-II applied principal of music theory	63	21	12	4	75
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
3	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

MARKING SCHEME

B.A. (IYEAR) (I- SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	THEORY- music theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.A. (IYEAR) II -SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	THEORY- music theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.A.(IIYEAR) III- SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	THEORY- music theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

B.A.(IIYEAR) IV- SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	Theory- Music theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					500

B.A.(III YEAR) V- SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**COMPUTER** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	THEORY- music theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					500

B.A.(III YEAR) VI -SEMESTER

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**COMPUTER** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	THEORY- music theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**LITERATURE** (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	85	28	15	5	100
5	**SOCIAL SCIENCE** (HISTORY/PHILOSOPHY)	85	28	15	5	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					500

परिशिष्ठ क्र.–3

MARKING SCHEME

B.A. HONRS. (I YEAR) (I SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**Vocal / instumental** (Non Procsion)					
	THEORY- music theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**KATHAK DANCE THEORY** History and Devlopment of Indian dance and Applied principle	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
5	**PAINTING** THEORY-	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

B.A. HONRS. (IYEAR) (II SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**Vocal / instumental** (Non Percussion)					
	THEORY- Applied principle of music	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**KATHAK DANCE THEORY-** History and Devlopment of Indian dance and Applied principle	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
5	**PAINTING** THEORY-	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

B.A. HONRS. (II YEAR) (III SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA** music theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**THEATRE** theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
5	**SCULPTURE** **THEORY-**	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

B.A. HONRS. (II YEAR) (IV SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**ENGLISH** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA** music theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
4	**THEATRE** THEORY-	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
5	**APPLIED ART** THEORY-	42	14	8	3	50
	PRACTICAL Demonstration and viva	100	33			100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

B.A. HONRS. (III YEAR) (V SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**COMPUTER** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
2	**HINDI** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	THEORY- I History of Music	42	14	8	3	50
	THEORY-II applied prinicpal of music theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	200	66			200
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	150	50			150
4	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

B.A. HONRS. (III YEAR) (VI SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**COMPUTER** **(Foundation)**	42	28	8	3	50
2	**ENGLISH** **(Foundation)**	42	14	8	3	50
3	**TABLA**					
	THEORY-I music theory	42	14	8	3	50
	THEORY-II applied principal of music theory	42	14	8	3	50
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	200	66			200
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	150	50			150
4	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**600**

परिशिष्ठ क्र.–4

MARKING SCHEME

M.MUS/M.A. (I YEAR) (I SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**Tabla THEORY-I** History of music	85	28	15	5	100
	THEORY-II aplied principals of music theory	85	28	15	5	100
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

M.MUS/M.A. (IYEAR) (II SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**Tabla THEORY-I** History of indian music	85	28	15	5	100
	THEORY-II aplied principals of music	85	28	15	5	100
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

M.MUS/M.A. (II YEAR) (III SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**Tabla THEORY-I** History of indian music	85	28	15	5	100
	THEORY-II applied principal of music theory	85	28	15	5	100
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

M.MUS/M.A. (II YEAR) (IV SEMESTER)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	C.C.C.	MIN	TOTAL
1	**Tabla THEORY-I** History of indian music	85	28	15	5	100
	THEORY-II aplied principals of music	85	28	15	5	100
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50			150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33			100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17			50
	GRAND TOTAL					**500**

परिशिष्ठ क्र.–5

one year certificate course

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**Tabla Theory music -Theory**	**50**	**17**	**50**
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33	100
2 2	**INTERNAL ASSESSMENT** (Notation,Rag description file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**200**

One year Diploma course

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**Tabla Theory music –Theory**	50	17	50
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33	100
2 2	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,Rag description file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**200**

One year Addvance Diploma course

NO	TABLA	MAX	MIN	TOTAL
1	**Tabla**			
	THEORY-I music -Theory	**100**	**33**	**100**
	Theory-II Applied principals of music	**100**	**33**	**100**
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50	150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33	100
2	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**500**

परिशिष्ठ क्र.–6

MARKING SCHEME

B.MUS (PRIVATE)

B.MUS. I YEAR(previous)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**ENTREPRENEURSHIP** **(Foundation)**	50	17	50
2	**HINDI** **(Foundation)**	50	17	50
3	**ENGLISH** **(Foundation)**	50	17	50
4	**Tabla**			
	THEORY-I science of music	100	33	100
	THEORY-II Applied principals of music	100	33	100
	PRACTICAL Demonstration and viva	200	66	200
5	**Vocal (subsidiary) PRACTICAL** Demonstration and viva	100	33	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**700**

B.MUS. II YEAR

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**ENVIRONMENTAL STUDY** **(Foundation)**	50	17	50
2	**HINDI** **(Foundation)**	50	17	50
3	**ENGLISH** **(Foundation)**	50	17	50
4	**TABLA**			
	THEORY- I General study of music systems	100	33	100
	THEORY-II Applied principals of music	100	33	100
	PRACTICAL Demonstration and viva	200	66	200
5	**Light & Folk (subsidiary) PRACTICAL** Demonstration and viva	100	33	100
6	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**700**

B.MUS. IIIYEAR(final)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**Computer** (Foundation)	100	33	100
2	**TABLA**			
	THEORY-I History of Music	100	33	100
	THEORY-II Applied principals of music	100	33	100
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	200	66	200
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	150	50	150
3	**INTERNAL ASSESSMENT** (Notation,Rag description & Music programme attending report file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**700**

परिशिष्ठ क.–7

MARKING SCHEME

B.A. I YEAR (PRIVATE)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**FOUNDATION COURSE**			
	ENTREPRENEURSHIP	50	17	50
	HINDI	50	17	50
	ENGLISH	50	17	50
2	**LITERATURE (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)**			
	THEORY-I	50	17	50
	THEORY-II	50	17	50
3	**SOCIAL SCIENCE (HISTORY/PHILOSOPHY)**			
	THEORY-I	50	17	50
	THEORY-II	50	17	50
4	**TABLA**			
	THEORY- MUSIC THEORY	100	33	100
	PRACTICAL Demonstration and viva	200	66	200
5	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**700**

B.A. II YEAR

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**FOUNDATION COURSE**			
	ENVIRONMENTAL STUDY	50	17	50
	HINDI	50	17	50
	ENGLISH	50	17	50
2	**LITERATURE (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)**			
	THEORY-I	50	17	50
	THEORY-II	50	17	50
3	**SOCIAL SCIENCE (HISTORY/PHILOSOPHY)**			
	THEORY-I	50	17	50
	THEORY-II	50	17	50
4	**TABLA**			
	THEORY- music theory	100	33	100
	PRACTICAL Demonstration and viva	200	66	200
5	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**700**

B.A.IIIYEAR(final)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**FOUNDATION COURSE**			
	COMPUTER	50	17	50
	HINDI	50	17	50
	ENGLISH	50	17	50
2	**LITERATURE (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)**			
	THEORY-I	50	17	50
	THEORY-II	50	17	50
3	**SOCIAL SCIENCE (HISTORY/PHILOSOPHY)**			
	THEORY-I	50	17	50
	THEORY-II	50	17	50
4	**TABLA**			
	THEORY- music theory	100	33	100
	PRACTICAL Demonstration and viva	200	66	200
5	**INTERNAL ASSESSMENT** (Notation,Rag description & Music programme attending report file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**700**

परिशिष्ठ क.–8

M.MUS/M.A. PRIVATE (I YEAR)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**TABLA**			
	THEORY-I History of indian music	100	33	100
	THEORY-II Aplied principals of music theory	100	33	100
2	**PRACTICAL-I** Demonstration and viva	300	99	300
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	150	50	150
3	**INTERNAL ASSESSMENT** (Notation,Rag description & Music programme attending report file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**700**

M.MUS/M.A. final (I IYEAR)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**TABLA**			
	THEORY-I History of indian music	100	33	100
	THEORY-II Aplied principals of music theory	100	33	100
2	**PRACTICAL-I** Demonstration and viva	300	99	300
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	150	50	150
3	**INTERNAL ASSESSMENT** (Notation,Rag description & Music programme attending report file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**700**

परिशिष्ठ क्र.–9

Sangeet kala praveshika- previous

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**TALBA** **PRACTICAL-I** Demonstration and viva	125	41	125
2	**INTERNAL ASSESSMENT** (Notation,Rag description file)	25	9	25
	GRAND TOTAL			**150**

sangeet kala praveshika- (final)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**TABLA** **Theory-** **music - Theory**	50	15	50
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	125	41	125
2	**INTERNAL ASSESSMENT** (Notation,Rag description file)	25	9	25
	GRAND TOTAL			**200**

sangeet kala madhyama previous

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**TABLA** **Theory-** **music - Theory**	50	17	50
	PRACTICAL- Demonstration and viva	125	41	125
2	**INTERNAL ASSESSSMENT**(Notation,Rag description file)	25	9	25
	GRAND TOTAL			**200**

sangeet kala madhyama (final)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**TABLA** **Theory-** **music - Theory**	50	17	50
	PRACTICAL- Demonstration and viva	125	41	125
2	**INTERNAL ASSESSMENT**(Notation,Rag description file)	25	9	25
	GRAND TOTAL			**200**

परिशिष्ठ क्र.–10

sangeet kala vid - previous

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**TABLA** **Theory-I history of music - Theory**	50	17	50
	THEORY-II Applied principals of music	50	17	50
2	**PRACTICAL-** Demonstration and viva	150	50	150
	INTERNAL ASSESSMENT (Notation,Rag description file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**300**

sangeet kala vid (final)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**TABLA** **Theory-I** history of music - Theory	50	17	50
	THEORY-II Applied principals of music	50	17	50
	PRACTICAL- Demonstration and viva	150	50	150
2	**INTERNAL ASSESSSMENT** (Notation,Rag description file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**300**

sangeet kala Ratna previous

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**TABLA** **Theory-I** history of music theory	100	33	100
	Theory-II applied principals of Music theory	100	33	100
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	200	66	200
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	150	50	150
2	**INTERNAL ASSESSMENT** (Notation,Rag description & Music programme attending report file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**600**

sangeet kala ratna (final)

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**TABLA** **Theory-I** history of Music theory	100	33	100
	Theory-II applied principals of Music theory	100	33	100
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	200	66	200
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	150	50	150
2	**INTERNAL ASSESSMENT** (Notation,Rag description & Music programme attending report file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**600**

परिशिष्ठ –11

बी.म्यूज.–प्रथम सेमेस्टर
तबला – शास्त्र

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी. सी ई.: 15
पूर्णांक : 100

इकाई :– 1.

1. तबला वाद्य की उत्पति एवं विकास की ऐतिहासिक जानकारी।
2. तबला एवं मृदंग का सचित्र वर्णन एवं उनके विविध अंगों की विस्तृत जानकारी।

इकाई :– 2.

1. भारतीय वाद्यों के वर्गीकरण का सिद्वान्त।
2. उत्तर भारतीय संगीत के निम्नांकित वाद्यों का सचित्र विवरण। सितार, सरोद, सारंगी, शहनाई, बांसुरी, बेला, तानपूरा, हारमोनियम।

इकाईः– 3

1. तबले के वर्ण (पाटाक्षर) संयुक्त तथा असंयुक्त वर्णो की निकास विधियों का ज्ञान।
2. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की सोदाहरण व्याख्या – मात्रा, लय, विभाग, ताली, खाली, ताल एवं ठेका, पेशकार, कायदा, पल्टा, रेला, परन, चक्रदार, लग्गी, लड़ी, बांट।

इकाई :– 4

1. निम्नलिखित तालों का पूर्ण परिचय तथा उनके ठेकों को तालिपि में लिखने का अभ्यास। त्रिताल, झपताल, रूपक, दादरा, तिलवाड़ा, एकताल, चौताल, सूलताल, तीव्रा।
2. पाठ्यक्रम में दिये गये समान मात्रा की तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाईः–5

1. पं. भातखण्ड़े ताल लिपि का सम्पूर्ण अध्ययन।
2. पाठ्यक्रम के सभी तालों के ठेकों को दुगुन, एवं चौगुन की लयकारी में लिखना।

बी.म्यूज–प्रथम सेमेस्टर
तबला (प्रायोगिक)

पूर्णांक : 200

इकाई :– 1.

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों –त्रिताल, तिलवाडा, चौताल, एकताल, झपताल, (15 मात्रा) सूलताल, रूपक, तीव्रा, दादरा, कहरवा, को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन एवं चौगुन, की लयकारी में लहरे के साथ बजाने व पढ़न्त करने का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के सभी तालों के ठेके लहरे के साथ ठाह, दुगुन, चौगुन में बजाने का अभ्यास।
3. त्रिताल में दो कायदे एक रेला (चार पल्टों व तिहाई सहित) मुखड़े, टुकड़े, परन, (साधारण, चक्रदार) लहरे के साथ तबले पर बजाने व पढ़न्त का अभ्यास।
4. कहरवा तथा दादरा के ठेके के प्रकार।
5. शास्त्रीय संगीत में ख्याल एवं गत की जानकारी।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 – पं. गिरीष चन्द्र श्रीवास्तव

परिशिष्ठ –12

बी. म्यूज. प्रथम वर्ष
सहायक विषय–गायन
(तबला विषय के विद्यार्थियों के लिये)
प्रायोगिक

समय– 20 मिनट पूर्णांक–50

1 किन्ही दो थाटो में दस–दस अलंकारों का अभ्यास । गायन के विद्याार्थियों हेतु पाठ्यक्रम के रागों मे स्वरमालिका और लक्षण गीत का गायन।

2 पाठ्यक्रम के राग – यमन, भैरव, भूपाली, खमाज, काफी, वृन्दावनी सारंग, दुर्गा बिलावल या अल्हैया बिलावल।

अ पाठयक्रम के किन्ही दो रागो में विलम्बित ख्याल /विलंबित रचना/ मसीतखानी गत का अभ्यास।

ब पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल, रजाखानी गत/मध्यलय रचना का पाँच तानों सहित प्रदर्शन।

स पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद तथा एक तराने का गायन अथवा किसी एक राग में तीन ताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का अपने वाद्य पर प्रदर्शन।

1. आकाशवाणी द्वारा मान्य 'वन्दे मातरम'/भजन/देशभक्ति गीत का स्वरलय में गायन अथवा वादन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।
2. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन–

त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल एवं धमार तथा त्रिताल की दुगुन का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

परिशिष्ठ –13

बी.म्यूज. (द्वितीय सेमेस्टर)

तबला – शास्त्र

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी. सी ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई :– 1.

1. (अ) तबले के दिल्ली व अजराड़ा घराने की जानकारी।
   (ब) दिल्ली व अजराड़ा घराने की वादन विशेषताओं का सोदाहरण अध्ययन।

इकाई :– 2.

2. (अ) स्वर, सप्तक, थाट, राग, लक्षणगीत, अंलकार, सरगम की परिभाषा।
   (ब) मुखडा, टुकडा, मोहरा, तिहाई, परन, चक्रदार, लग्गी, लडी, बांट की जानकारी।

इकाई :– 3.

3. (अ) त्रिताल में विभिन्न रचनाओं को तालिपि में लिखने का ज्ञान।
   (ब) झपताल में विभिन्न रचनाओं को तालिपि में लिखने का ज्ञान।

इकाई :– 4.

4. (अ) पाठ्यक्रम के तालों के ठेके (त्रिताल, तिलवाडा, चौताल, एकताल, झपताल, सवारी (15 मात्रा) सूलताल, रूपक एवं तीव्रा) के प्रकार, लयकारी, मुखड़े, व तिहाईयॉ तालिपि में लिखना।
   (ब) कहरवा तथा दादरा के ठेकों के प्रकार तथा लग्गियां लिखने का ज्ञान।

इकाई :– 5.

5. निम्नलिखित तबला–पखावज वादकों की जीवनी व उनकी वादन विशेषताऐं।
   उस्ताद नत्थू खॉ, उस्ताद गामी खॉ, उस्ताद लतीफ अहमद, उस्ताद मुनीर खॉ, उस्ताद हबीबुद्दीन खॉ, पं. कुदऊ सिंह, पं. अयोध्या प्रसाद ।

बी.म्यूज.(द्वितीय सेमेस्टर)
प्रायोगिक

पूर्णांक : 200

1. त्रिताल में दिल्ली व अजराड़ा घराने के कायदे विस्तार सहित बजाने की क्षमता।
2. तीनताल में लहरे के साथ पेशकार (विस्तार सहित) दो कायदे (चार पलटों एवं तिहाई सहित) एक रेला (विस्तार सहित) तिहाईयां, मुखड़े, टुकड़े व परन सहित तबले पर बजानां व पढन्त।
3. एकताल एवं रूपक में तिहाईयां एवं मुखड़े।
4. पाठ्यक्रम के सभी तालों में एक से चार मात्रा के मोहरे बजाने की क्षमता तथा सुगम संगीत में प्रयुक्त दादरा, कहरवा ताल बजाने का अभ्यास।
5. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृति।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –14

बी.म्यूज द्वितीय सेमेस्टर
सहायक विषय
गायनः– प्रायोगिक

समयः 3 घण्टे **पूर्णांकः50**

(तबला विषय के विद्यार्थियों के लिये)

1. प्रथम सेमेस्टर के निर्धारित थाटों की पुनरावृत्ति।
2. यमन, आसावरी, भैरवी, पूर्वी या बिलावल थाटों मे दस–दस अलंकारो का अभ्यास।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित राग, यमन, आसावरी, भैरवी, पूर्वी, बिलावल व भूपाली रागों में सरगम लक्षण गीत, छोटा ख्याल एवं एक बड़ा ख्याल।
4. पाठ्यक्रम के सभी रागों के छोटे ख्याल में दो–दो आलाप व तानें एवं बड़ा ख्याल में कम से कम तीन आलाप व तीन तानें।
5. अपने पाठ्यक्रम के रागों में एक तराना व एक ध्रुपद या भजन अथवा देशभक्ति गीत का स्वरलय में गायन।
6. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन या दुगुन व तिगुन का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांक : 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

परिशिष्ठ –15

बी.म्यूज.–तृतीय सेमेस्टर
संगीत–शास्त्र (तबला)

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी. सी ई.: 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. अवनद्ध वाद्यों की उत्पत्ति एवं विकासक्रम का अध्ययन।
2. भारतीय संगीत में तबले का महत्व तथा तबले की प्रासंगिकता आधुनिक संदर्भ में।

इकाई–2

1. पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर तालिपि पद्धति का सम्पूर्ण अध्ययन व तालों को लिखने का अभ्यास।
2. पं. पलुस्कर व पं. भातखण्डे तालिपि पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–3

1. ध्रुपद, धमार, ख्याल, मसीतखानी, रजाखानी गत प्रकारों की संक्षिप्त जानकारी व उनके साथ संगत में प्रयोग किये जाने वाले तालों का ज्ञान।
2. टप्पा, ठुमरी, दादरा, भजन, गजल इन गीत प्रकारों की संक्षिप्त जानकारी ।

इकाई–4

1. एकल तबला वादन के सिद्धांत एवं महत्व।
2. संगीत में समान मात्रा वाली तालों की उपयोगिता एवं उनका तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–5

1. द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम की पुनरावृत्तिः– (मात्रा, लय, विभाग, ताली, खाली, ठेका, पेशकार, कायदा, पल्टा, रेला की सोदाहरण परिभाषा।)
2. पखावज, ढोलक, मृदंगम, घटम, खंजरी, खोल, नाल, डफली की सचित्र जानकारी।

बी.म्यूज.–तृतीय सेमेस्टर
प्रायोगिक

पूर्णांक : 200

(1) तीनताल में पेशकार, कायदे, रेले, चक्रदार, तिहाईयॉ, टुकडे, परन सहित एकल वादन।
(2) रूपक, झपताल, एकताल, आडाचौताल व सवारी (15 मात्रा) में मुखडे एवं तिहाईयॉ।
(3) पाठ्यक्रम के तालों की दुगुन, तिगुन, चौगुन में पढन्त करना व इन्हें बजाने का अभ्यास।
(4) सुगम संगीत के ठेके बजाने का अभ्यास।
(5) पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

संदर्भ सूचीः

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ क्र.–16

सहायक विषय
(सुगम संगीत)
बी.म्यूज.– द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर
प्रायोगिक:- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 50

1 निम्नलिखित संत, गीतकार एवं शायरों के चार भजन, चार गीत एवं चार गजलों का प्रशिक्षण।
(1) तुलसीदास (2) सूरदास (3) मीराबाई (4) गुरूनानक (5) कबीर (6) निराला (7) नीरज (8) सुमित्रानंदन पंत (9) बच्च्न (10) फैज (11) गालिब (12) जफर (13) मीर (14) जिगर (15) महादेवी वर्मा

2 राग काफी एवं खमाज रागों में लक्षण गीत, सरगम, छोटा ख्याल का 5–5 तानों सहित गायन।

3 देश के किसी भी क्षेत्र में प्रचलित दो लोकगीत।

4 हारमोनियम बजाकर किसी एक रचना का गायन।

5 पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों को ठाह, दुगन, चौगुन को हाथ से ताली देकर बोलने का अभ्यास :–
(अ) दीपचन्दी (ब) एकताल (स) रूपक

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांक : 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

परिशिष्ठ –17

बी.म्यूज.–चतुर्थ सेमेस्टर
संगीत–शास्त्र (तबला)

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी. सी ई : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. उत्तर भारतीय ताल पद्धति का अध्ययन (ताल के दस प्राणों के संदर्भ में)
2. कर्नाटक ताल पद्धति का अध्ययन।

इकाई–2

1. तबले के लखनऊ एवं बनारस घराने का ऐतिहासिक अध्ययन।
2. लखनऊ एवं बनारस घराने की वादन विशेषताओं का सोदाहरण अध्ययन।

इकाई–3

1. लय एवं लयकारी की परिभाषा व तुलना। आड (3/2) लयकारी लिखने का ज्ञान।
2. सवारी (15 मात्रा), झूमरा, आडाचौताल, अद्धा तीनताल एवं जत तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लय में तालिपि में लिखने का अभ्यास।

इकाई–4

1. तबला संगति के सिद्धांत तथा तंत्री वाद्य एवं सुषिर वाद्यों के साथ तबला संगति की जानकारी।
2. कथक नृत्य व सुगम संगीत के साथ तबला संगति के सिद्धांत।

इकाई–5

1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की सोदाहरण व्याख्याः–
   गत, परन, दुपल्ली, तिपल्ली, चौपल्ली, नौहक्का, फरमाईशी चक्रदार, रौ, गत फर्द।

2. दिये गये बोलों के आधार पर ताल को पहचानना व तीनताल, रूपक,झपताल, एकताल में तिहाई, मुखडा, टुकडा की रचना कर तालिपि में लिखने का अभ्यास।

बी.म्यूज.–चतुर्थ सेमेस्टर
प्रायोगिक

पूर्णांक : 200

(1) झपताल में पेशकार, कायदे, रेला, मुखडा, टुकडा, चक्रदार परन सहित स्वतंत्र वादन।
(2) तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल को ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन व आड की लयकारी में बजाने का अभ्यास।
(3) धिरधिर के रेले को अपेक्षित लय में बजाने का अभ्यास।
(4) दिल्ली, अजराडा, लखनऊ व बनारस घराने की विशेषताओं को प्रकट करने वाली बंदिशों का ज्ञान।
(5) ताल रूपक में टुकडे, चक्रदार,परन का तालिपि में वादन व पढन्त।
(6) तिलवाडा, झूमरा,एकताल को विलंबित लय में तथा एकताल एवं तीनताल को द्रुत लय मे बजाने का अभ्यास।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – श्री रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ क्र.–18

सहायक विषय
बी. म्यूज. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर
गायन/स्वर वाद्य
लोक संगीत प्रायोगिक:- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक –50

1. अलंकार का सामान्य ज्ञान (जिस स्वर या थाट के स्वर उस गीत में लगते हैं उन्हीं थाटों या स्वरों में अलंकार कराना है।)
2. तालों का व्यवहारिक ज्ञान। दादरा कहरवा दीपचन्दी आदि। (लोक गीतों में प्रयोग होने वाले ठेके एवं तालों का ज्ञान)
3. अपने प्रदेश के अंचलों के एक–एक लोक गीतों का निम्नानुसार व्यवहारिक ज्ञान –
   (अ). संस्कार गीत, (ब). ऋतु गीत (स). श्रम गीत (द). उत्सव गीत
   (इ) मनोरंजन गीत
4. सीखी हुई किसी लोक रचना को हार्मोनियम पर बजाकर गाने का अभ्यास।
5 अपने प्रदेश के अंचलों के सीखे हुये लोकगीतों में शास्त्रीय संगीत के तत्व और लोकगीत तथा शास्त्रीय संगीत से सम्बन्ध।
6 निम्नलिखित भारत के प्रमुख प्रतिनिधि लोकगीतों का अवसर, स्वर पक्ष, प्रयुक्त होने वाले वाद्य, लय व ताल तथा भावार्थ सहित किन्हीं तीन का व्यवहारिक ज्ञान।बुन्देलखण्डी (मध्यप्रदेश), लावणी, पोवाड़ा (महाराष्ट्र), गरबा (गुजरात), विदेशिया (बिहार), भांगड़ा या टप्पा (पंजाब), बादल या भटियाली (पश्चिम बंगाल), बीहू (असम), चैती या कजरी (उत्तर प्रदेश), नाटी या गिद्दा (हिमाचल प्रदेश), उड़िया (उड़ीसा), मणीपुरी (मणिपुर), ओणम (केरल), माथुरी (आन्ध्र प्रदेश), आदि।
7 सीखे हुये लोक गीतों के साथ वाद्यों को बजाने का सामान्य ज्ञान।
8 सीखे हुये किसी भी लोक रचना को स्वरबद्ध करने का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को ताललिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

परिशिष्ठ –19

बी.म्यूज.–पंचम सेमेस्टर
संगीत–शास्त्र प्रथम प्रश्नपत्र (तबला)

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 63
सी. सी ई. : 12
पूर्णांक : 75

इकाई–1

1. भारतीय संगीत का इतिहास (प्राचीन काल से 12वीं शताब्दी तक)।
2. भारतीय संगीत का इतिहास (13वी शताब्दी से 15वीं शताब्दी तक)।

इकाई–2

1. उत्तर भारतीय तथा दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का विस्तृत तुलनात्मक अध्ययन।
2. शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय अवनद्ध एवं घन वाद्यों का सचित्र वर्णन–तबला, खंजरी, तविल, मुखचंग, पणव, पटह, दर्दुर।

इकाई–3

1. एकल तबला वादन का महत्व तथा एकल वादन हेतु प्रयुक्त रचनाओं का क्रम एवं स्वरूप।
2. शास्त्रों में वर्णित अवनद्ध वाद्य वादकों के गुण–दोषों की जानकारी (तबला वादन के संदर्भ में)।

इकाई–4

1. पंजाब एवं फर्रूक्खाबाद घरानों का ऐतिहासिक विवरण तथा प्रमुख तबला वादकों की जानकारी।
2. पंजाब एवं फर्रूक्खाबाद घरानों की वादन विशेषताओं की जानकारी।

इकाई–5

1 . निम्नलिखित वादकों का जीवन परिचय व उनके वादन की विशेषताओं का अध्ययन।

उ.आबिद हुसैन, उ.अमीर खॉ,हाजी विलायत अली, पं. रामसहाय,पं. कंठे महाराज, पं. अनोखेलाल।

बी.म्यूज.–पंचम सेमेस्टर
संगीत–शास्त्र (तबला)

समय : 3 घण्टे

द्वितीय प्रश्नपत्र क्रियात्मक सिद्वांत

शास्त्र प्रश्न पत्र : 63
सी. सी ई.: 12
पूर्णांक : 75

इकाई–1

1. पेशकार,कायदा,रेला के विस्तार सिद्वांतों का विवेचन।
2. गत,परन,एवं चक्रदार के रचना सिद्वांत का ज्ञान व नई रचना कर लिपिबद्व करने का ज्ञान।

इकाई–2

1. निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों की सोदाहरण व्याख्या – दमदार तिहाई,बेदम तिहाई, लग्गी,लडी, एकहत्थी, फरमाईशी चक्रदार, कमाली चक्रदार व नौहक्का।
2. गत एवं परन व उसके प्रकारों की उदाहरण सहित व्याख्या।

इकाई–3

1. भारतीय संगीत में लय के स्थान एवं महत्व का अध्ययन।
2. भारतीय संगीत में तबले की आवश्यकता,उपयोगिता एवं महत्व का अध्ययन।

इकाई–4

1. त्रिताल,झपताल,रूपक,एकताल,आडाचौताल, सवारी को आड,कुआड,बिआड लयकारियों में लिखनें का ज्ञान।
2. दिये गये बोलों के आधार पर उपरोक्त तालों में मुखडा,टुकडा,तिहाई,चक्रदार बनाना व तालिपि में लिखना।

इकाई–5

1. संगीत संबधी किसी विषय पर निबंध लेखन। (अधिकतम 300 शब्दों में)

बी.म्यूज.–पंचम सेमेस्टर
प्रायोगिक

पूर्णांक : 150

(1) त्रिताल एवं झपताल वादन की पुनरावृत्ति।

(2) ताल रूपक में पेशकार, दो कायदे, एक रेला (चार पल्टों तिहाई सहित), टुकडे, मुखडे, तिहाई, परन, चक्रदार सहित लहरे के साथ स्वत्रंत वादन।

(3) पंजाब एवं फर्रूक्खाबाद घराने की बंदिशों जानकारी।

(4) पाठ्यक्रम के तालों में दिये गये बोलों के आधार पर तिहाई, मुखडा, टुकडा बनाना तथा लहरे के साथ वादन का अभ्यास।

(5) सुगम संगीत में प्रयुक्त ठेकों का ज्ञान एवं उनके वादन का अभ्यास।

बी.म्यूज.–पंचम सेमेस्टर **पूर्णांकः 100**

मंच–प्रंदर्शन

1. आंमत्रित श्रोताओं के समक्ष न्यूनतम 15 मिनिट तक अपनी पसंद की ताल का स्वतंत्र वादन।
2. त्रिताल,झपताल,एकताल,रूपक,आडाचौताल में से परीक्षक द्वारा दिये गये तालों में से किसी एक ताल में एकल वादन।
3. अपने वाद्य को स्वरबद्व करने का ज्ञान।
4. गायन,वादन की संगति का ज्ञान।

बी.म्यूज.–पंचम सेमेस्टर

तबला

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:सन्दर्भ सूची:

1.तबला प्रकाश	–	श्री भगवतशरण शर्मा
2.तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2	–	पं. रामशंकर पागलदास
3.ताल प्रकाश	–	श्री भगवतशरण शर्मा
4.ताल परिचय भाग 1 एवं 2	–	श्री गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव
5.ताल वाद्य शास्त्र	–	डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे

परिशिष्ठ –20

बी.म्यूज.–षष्टम् सेमेस्टर

संगीत–शास्त्र प्रथम प्रश्नपत्र (तबला)

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 63
सी. सी. ई. : 12
पूर्णांक : 75

इकाई–1

1. प्राचीन ग्रंथों में वर्णित वाद्य वर्गीकरण सिद्धांत।
2. क्या प्राचीन वाद्य वर्गीकरण वर्तमान संदर्भ में प्रायोगिक है ? या उसे पुनः वर्गीकृत करने की आवश्यकता है।

इकाई–2

1. भारतीय संगीत का इतिहास (15वीं शताब्दी से 17वीं शताब्दी तक)।
2. भारतीय संगीत का इतिहास (18वी शताब्दी से आधुनिक काल तक)।

इकाई–3

1. मार्गी ताल पद्धति का सामान्य परिचय।
2. देशी ताल पद्धति का सामान्य परिचय।

इकाई–4

1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की सोदाहरण व्याख्या। तिहाई बेदम दमदार लग्गी,लडी,एकहथ्थी,गत, परन एवं उसके प्रकार ।
2. टुकडा व तिहाई का रचना सिद्वांत।

3. इकाई–5

1. निम्नलिखित वादकों का जीवन परिचय व उनके वादन की विशेषताऐंः–
   उ. आफाक हुसैन, उ. करामतउल्ला खॉ, उ. मसीत खॉ, पं. किशन महाराज, पं. गुदई महाराज, उ. अल्लारखा खॉ, स्वामी रामशंकर पागलदास,नाना पानसे।

बी.म्यूज.–षटम् सेमेस्टर
संगीत–शास्त्र (तबला)
द्वितीय प्रश्नपत्र क्रियात्मक सिद्वांत

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 63
सी. सी ई. : 12
पूर्णांक : 75

इकाई–1

1. देशी ताल पद्वति का विस्तृत अध्ययन।
2. प्राचीन एवं वर्तमान ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. पखावज (मृदंग) वाद्य का इतिहास एवं विकासक्रम का अध्ययन।
2. पखावज एवं तबला वादन शैली का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–3

1. किसी ताल के ठेके को किसी अन्य ताल के ठेके में सम से सम तक समायोजित कर तालिपि में लिखने का ज्ञान।
2. सीखें गये तालों को विभिन्न लयकारियों में तालिपि में लिखनें की क्षमता।

इकाई–4

1. दिये गये बालों के आधार पर निर्देशानुसार
   त्रिताल,झपताल,रूपक,एकताल,आडाचौताल,सूलताल,चौताल एवं सवारी तालों में से विभिन्न रचनाऐं बनाकर तालिपि में लिखना।

इकाई–4

2. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की सोदाहरण व्याख्या। तिहाई बेदम दमदार
   लग्गी,लडी,एकहथ्थी,गत, परन एवं उसके प्रकार ।
3. टुकडा व तिहाई का रचना सिद्वांत।

इकाई–5

1. संगीत संबधी विषय पर अधिकतम 400 शब्दों में निबंध।

बी.म्यूज.–षटम् सेमेस्टर
प्रायोगिक

पूर्णांक : 150

(1) त्रिताल,झपताल एवं रूपक ताल में लहरे के साथ स्वतंत्र वादन।

(2) विभिन्न घरानों की विशेषताओं को प्रकट करने वाली बन्दिशों को लहरे पर बजाने का अभ्यास।

(3) गायन,वादन तथा नृत्य में संगति का अभ्यास।

(4) त्रिताल,झपताल,रूपक,एकताल को दुगुन,तिगुन,चौगुन, आड एवं कुआड लय में बजाने का अभ्यास।

(5)दी गई तिहाई को दम अथवा लयकारी के प्रयोग से विभिन्न तालों में समायोजित करने का अभ्यास।

(6) पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

बी.म्यूज.–षटम् सेमेस्टर

पूर्णांक : 100

मंच –प्रदर्शन

1. आंतत्रित श्रोताओं के समक्ष एकल तबला वादन।
   (1) लहरे के साथ त्रिताल में स्वंतत्र वादन (15मिनिट)
   (2) परीक्षक के निर्देशानुसार किसी अन्य ताल में स्वतंत्र वादन (10 मिनिट)
2. तबला मिलाने का ज्ञान।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

3. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
4. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:सन्दर्भ सूची:

1. तबला प्रकाशन – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग1 एवं 2 – श्री गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव
5. ताल वाद्य शास्त्र – डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे

परिशिष्ठ –21

बी.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
(शास्त्र)

समयः– 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई :– 1.

1. संगीत की परिभाषा। गायन, वादन, नृत्य का सामान्य परिचय।
   नाद, स्वर, स्वर के प्रकार, (शुद्ध, विकृत) सप्तक, श्रृति, आंदोलन, थाट, राग, अंलकार की परिभाषा।
2. अवनद्ध वाद्य की व्याख्या एवं विकास का ऐतिहासिक विवरण।

इकाई :– 2.

1. ताल की परिभाषा। संगीत में ताल का स्थान एवं महत्व।
2. लय, लय के प्रकार, (विलम्बित, मध्य, द्रुत) मात्रा, विभाग, ताली, खाली, ठेका, सम, आवर्तन की परिभाषा।

इकाई :– 3.

1. तबला वाद्य की उत्पत्ति एवं विकास क्रम की ऐतिहासिक जानकारी।
2. तबला, डग्गा, की बनावट और इसके विभिन्न अंगों की जानकारी।

इकाई :– 4.

1. वर्ण (पाटाक्षर) की परिभाषा। संयुक्त एवं असंयुक्त वर्णों की निकास विधि का ज्ञान।
2. पाठ्यक्रम के तालों त्रिताल, झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा की ठाह एवं दुगुन ताल लिपि में लिखने का ज्ञान।

इकाई :– 5.

1. मोहरा, मुखड़ा टुकड़ा, तिहाई, पेशकार, कायदा, पल्टा, रेला, परन, लयकारी की परिभाषा।
2. त्रिताल में विभिन्न बंदिशों को ताल लिपि में लिखने का ज्ञान।

बी.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
(प्रायोगिक)

पूर्णांक : 100

इकाई :– 1.

1. तबले के वर्णों की निकास विधि।

इकाई :– 2.

2. पाठ्यक्रम के ताल त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा के ठेको में एक से चार मात्रा के मोहरे तबले पर बजाने का अभ्यास।

इकाई :– 3.

3. ताल त्रिताल की पहली, पांचवी, नौवी व तेरहवीं मात्रा से उठने वाली तिहाईं हाथ से ताली देकर पढने व तबले पर बजाने का अभ्यास।

इकाई :– 4.

4. ताल, त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, कहरवा तथा दादरा तालों की ठाह एवं दुगुन लयकारी में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

इकाई :– 5.

5. त्रिताल में लहरे के साथ एकल वादन व हाथ से ताली देकर पढन्त।

1 (अ) धाधा तिट धाधा तीना – यह कायदा चार पल्टों एवं तिहाई सहित

(ब) धाधा तिरकिट धाधा तीना – यह कायदा चार पल्टों व तिहाई सहित

2 एक रेला – चार पल्टों व तिहाई सहित।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

5. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
6. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 – पं. गिरीषचन्द्र श्रीवास्तव

परिशिष्ठ –22

बी.ए. तबला–द्वितीय सेमेस्टर
(शास्त्र)

समयः– 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई – 1

1. भातखण्डे ताललिपि पद्धति की जानकारी।
1. पाठ्यक्रम के तालों त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा, आडाचौताल एवं दीपचन्दी को ठाह, दुगुन, चौगुन, में लिखने का अभ्यास।

इकाई :– 2

1. दिल्ली घराने का ऐतिहासिक परिचय।
2. दिल्ली घराने की वादन शैली की विशेषताओं का ज्ञान।

इकाई :– 3

1. त्रिताल में विभिन्न बंदिशों को ताल लिपि में लिखना।
2. झपताल, रूपक में मुखड़े, तिहाईयां, ताललिपि में लिखना।

इकाई :– 4

1. ख्याल, ध्रुपद, धमार, टप्पा, तराना, ठुमरी गायन शैली की जानकारी।
2. ख्याल, ठुमरी, धमार, टप्पा, तराना ठुमरी की संगति में बजने वाले ठेकों की जानकारी।

इकाई :– 5

1. निम्नलिखित तबला, पखावज वादकों का जीवन परिचय व वादन विशेषताऐंः–
   उस्ताद अल्लारखा खॉ, उस्ताद हबीबुद्दीन खॉ, उस्ताद गामी खॉ, उस्ताद मुनीर खॉ, उस्ताद नत्थू खॉ, पं. कुदऊ सिंह।
2. संगीत संबंधी विषय पर अधिकतम 600 शब्दों में निबंध लेखन।

बी.ए. तबला–द्वितीय सेमेस्टर
(प्रायोगिक)

पूर्णांक : 100

इकाई :– 1

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति तथा एकताल आड़ाचौताल, दीपचन्दी के ठेकों का लहरे के साथ वादन।

इकाई :– 2

2. तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, आडाचौताल, दीपचन्दी, कहरवा एवं दादरा तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

इकाई :– 3

3. ताल तीनताल में एक रेला व दिल्ली घराने का एक कायदा विस्तार सहित।

इकाई :– 4

4. ताल तीनताल में दो मुखड़े एवं दो टुकड़े लहरे के साथ बजाना।

इकाई :– 5

5. तीनताल में दो साधारण परन व एक चक्रदार परन लहरे के साथ बजाना।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

7. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
8. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –23

बी.ए. तबला–तृतीय सेमेस्टर
(शास्त्र)

समय : 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1. तबले की उत्पत्ति संबंधी विभिन्न मतों एवं तबले के विकास का सामान्य अध्ययन।
2. तबला वादक के गुण एवं दोष

इकाई–2

1 उत्तर भारत में प्रयुक्त प्रमुख अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन ।

डफली, दुक्कड, ताशा, नगाडा डफ एवं ढोल

2 निम्न लिखित अवनद्ध वाद्यों की वादन शैली का अध्ययन।

तबला, पखावज ढोलक एवं नाल।

इकाई–3

1. तबले के अजराडा घराने का परिचय।
2. अजराडा घराने की वादन शैली का अध्ययन।

इकाई–4

1 घन वाद्यों का परिचय एवं उनका ऐतिहासिक विवेचन।

2 निम्न लिखित घन वाद्यों का सचित्र वर्णन।

झांझ, मंजीरा, घंटा, जयघंटा एवं चिमटा

इकाई–5

1 भारतीय वाद्य वर्गीकरण के प्राचीन सिद्धांत का अध्ययन।

2 वाद्य वर्गीकरण के संबंध में आधुनिक युग में हुए मूलभूत परिवर्तनों का विवेचन।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल

तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा एवं झूमरा।

.....

बी.ए. तबला–तृतीय सेमेस्टर
(प्रायोगिक)

पूर्णांक : 100

1 पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

2 अजराडा घराने के प्रमुख बोल समुदायों को बजाने का अभ्यास।

3 झपताल में मुखडे टुकडे साधारण परन एवं चक्रदार बजाने का अभ्यास।

4 त्रिताल में सम से सम तक दमदार एवं बेदम तिहाई को बजाने का अभ्यास।

5 तीनताल को विलम्बित एवं मध्य लय में बजाने का अभ्यास।

6 तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा एवं झूमरा तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

9. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
10. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –24

बी.ए.तबला–चतुर्थ सेमेस्टर
(शास्त्र)

समय : 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1 कर्नाटक ताल पद्धति का परिचय।

2 मार्गी और देशी ताल पद्धतियों का परिचय।

इकाई–2

1 तबले के लखनऊ घरानें की ऐतिहासिक जानकारी।

2 तबले के लखनऊ घराने की वादन शैली का अध्ययन।

इकाई–3

1 कर्नाटक संगीत में प्रयुक्त प्रमुख अवनद्ध वाद्यों का वर्णन एवं उनके वादन विधि का सामान्य ज्ञान।

2 लोक संगीत में प्रयुक्त प्रमुख अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन।

मांदल, खंजरी, चिमटा, झांझ एवं घुंघरू

इकाई–4

1 तबला एकल वादन एवं उसके महत्व का अध्ययन

2 तबला एकल वादन में प्रयुक्त रचनाओं का क्रम एवं स्वरूप।

इकाई–5

1 ताल के दस प्राणों का विस्तृत वर्णन।

2 निम्नलिखित तबला वादकों का जीवन परिचय एवं उनकी वादन शैलियों का अध्ययन।

पं. सामता प्रसाद, पं. किशन महाराज पं. रामसहाय एवं उस्ताद अल्लारखा खॉ, उ. मसीत खॉ

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल

तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा, झूमरा, सवारी (15 मात्रा), एवं धमार।

.....

बी.ए. तबला–चतुर्थ सेमेस्टर
(प्रायोगिक)

पूर्णांकः–100

1 पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

2 झपताल में एक पेशकार, एक कायदा एवं एक रेला चार पल्टे एवं तिहाई सहित।

3 कहरवा तथा दादरा में लग्गियों के प्रकार।

4 रूपक में मुखडे, टुकडे, साधारण परन एवं चक्रदार बजाने अभ्यास।

5 लखनऊ घराने के प्रमुख बोल समुदायों को बजाने का अभ्यास।

6 एकताल एवं झपताल को विलंबित लय में बजाने का अभ्यास।

7 तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा, झूमरा, सवारी (15 मात्रा) एवं धमार तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

11. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
12. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –25

बी.ए. तबला–पंचम सेमेस्टर
(शास्त्र)

समयः– 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1 भातखण्डे एवं पलुस्कर ताललिपि पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।

2 स्टाफ नोटेशन पद्धति की सामान्य जानकारी।

इकाई–2

1 लय एवं लयकारी का तुलनात्मक अध्ययन।

2 आड, कुआड एवं बिआड लयकारियों को ताललिपि में लिखने का अभ्यास।

इकाई–3

1 कायदा निर्मिति एवं उसके विस्तार का सैद्धांतिक अध्ययन।

2 संगीत की उपशास्त्रीय संगीत शैली में प्रयुक्त तालों का अध्ययन।

इकाई–4

1 समान मात्रा वाले तालों की उपयोगिता एवं उनके महत्व का अध्ययन।

2 निम्नलिखित समान मात्रा की तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

एकताल–चौताल, झपताल–सूलताल, रूपक–तीव्रा, आडाचौताल–धमार।

इकाई–5

1 वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तबले के विभिन्न घरानों का महत्व एवं उनका अस्तित्व।

2 बनारस घराने की ऐतिहासिक जानकारी एवं वादन शैली का अध्ययन।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल

तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा, झूमरा, सवारी (15 मात्रा), धमार, सूलताल एवं चौताल।

.....

बी.ए. तबला–पंचम सेमेस्टर
(प्रायोगिक)

पूर्णांक : 100

1 पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

2 तीनताल, झपताल एवं रूपक ताल में एकल तबला वादन एवं पढन्त का अभ्यास।

3 बनारस घराने के प्रमुख बोल समुदाय एवं बंदिशें बजाने का अभ्यास।

4 तीनताल, झपताल एवं रूपक के ठेके ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में बजाने का अभ्यास एवं पढन्त।

5 कहरवा तथा दादरा ताल को सुगम संगीत की दृष्टि से बजाने का अभ्यास।

6 तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा, झूमरा, सवारी (15 मात्रा), धमार, सूलताल एवं चौताल तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

13. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
14. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –26

बी.ए. तबला–षष्टम सेमेस्टर
तबला (शास्त्र)

समयः– 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1 मसीतखानी एवं रजाखानी गतों का सामान्य परिचय। मीड, गमक घसीट एवं कृन्तन की सामान्य जानकारी।

2 तंत्र वाद्यों के घरानों का सामान्य परिचय।

इकाई–2

1 पखावज की उत्पत्ति विकास एवं उसके महत्व का अध्ययन।

2 पखावज पर बजने वाले बोलों की निकास विधि का शास्त्रीय विवेचन।

इकाई–3

1 पंजाब एवं फर्रूक्खाबाद घरानों का ऐतिहासिक परिचय।

2 पंजाब एवं फर्रूक्खाबाद घरानों की वादन शैलियों का अध्ययन।

इकाई–4

1 शास्त्रीय संगीत संबंधी विषय पर निबंध।

2 ध्रुपद धमार अंग की गायकी एवं उनके साथ प्रयुक्त होने वाले तालों का अध्ययन।

इकाई–5

1. निम्नलिखित तबला एवं पखावज वादकों का जीवन परिचय एवं संगीत में उनके योगदान का अध्ययन।

   हाजी विलायत अली, पं. अनोखेलाल, नाना पानसे पं. कण्ठे महाराज. उ. करामतुल्ला खॉ।

2. अन्य अवनद्ध वाद्यों की तुलना में तबला वाद्य की अत्यधिक लोकप्रियता का विवेचन।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल

तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा, झूमरा, सवारी (15 मात्रा), धमार, सूलताल, चौताल, तीव्रा एवं रूद्र।

.....

बी.ए. तबला–षष्टम सेमेस्टर
(प्रायोगिक)

पूर्णांक : 100

1 पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

2 तीनताल, झपताल एवं रूपक के अतिरिक्त एकताल में पेशकार, कायदा एवं रेला विस्तार सहित बजाने का अभ्यास।

3 पंजाब एवं फर्रूक्खाबाद घरानों के प्रमुख बोल समुदायों एवं बंदिशों को बजाने का अभ्यास।

4 चौताल, सूलताल, तीव्रा एवं धमार तालों को खुले हाथ से बजाने का अभ्यास।

5 कहरवा एवं दादरा ताल में चार–चार लग्गियॉ बजाने का अभ्यास।

6 तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा, झूमरा, सवारी (15 मात्रा), धमार, सूलताल, चौतालए तीव्रा एवं रूद्र तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिलिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –27

बी.ए. ऑनर्स तबला–तृतीय सेमेस्टर
(शास्त्र)

समयः– 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई :– 1.

1. तबले की उत्पत्ति संबंधी विभिन्न मतों एवं तबले के विकास का सामान्य अध्ययन।
2. अवनद्ध वाद्य की व्याख्या एवं विकास का ऐतिहासिक विवरण।

इकाई :– 2.

1. ताल की परिभाषा। संगीत में ताल का स्थान एवं महत्व।
2. लय, लय के प्रकार, (विलम्बित, मध्य, द्रुत) मात्रा, विभाग, ताली, खाली, ठेका, सम, आवर्तन की परिभाषा।

इकाई :– 3.

1. पखावज वाद्य की उत्पत्ति एवं विकास क्रम की ऐतिहासिक जानकारी।
2. तबला, डग्गा, की बनावट ओर इसके विभिन्न अंगों की जानकारी।

इकाई :– 4.

1. वर्ण (पाटाक्षर) की परिभाषा। संयुक्त एवं असंयुक्त वर्णों की निकास विधि का ज्ञान।
2. पाठ्यक्रम के तालों त्रिताल, झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा की ठाह एवं दुगुन ताल लिपि में लिखने का ज्ञान।

इकाई :– 5.

1. मोहरा, मुखड़ा टुकड़ा, तिहाई, पेशकार, कायदा, पल्टा, रेला, परन, लयकारी की परिभाषा।
2. त्रिताल में विभिन्न बंदिशों को ताल लिपि में लिखने का ज्ञान।

बी.ए. ऑनर्स तबला–तृतीय सेमेस्टर
(प्रायोगिक)

पूर्णांक : 100

इकाई :– 1.

1. तबले के वर्णो की निकास विधि।

इकाई :– 2.

2. पाठ्यक्रम के ताल त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा के ठेको में एक से चार मात्रा के मोहरे तबले पर बजाने का अभ्यास।

इकाई :– 3.

3. ताल त्रिताल की पहली, पांचवी नौवी; व तेरहवीं मात्रा से उठने वाली तिहाईं हाथ से ताली देकर पढने व तबले पर बजाने का अभ्यास।

इकाई :– 4.

4. ताल, त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, कहरवा तथा दादरा तालों की ठाह एवं दुगुन लयकारी में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

इकाई :– 5.

5. त्रिताल में लहरे के साथ एकल वादन व हाथ से ताली देकर पढन्त।
   1 (अ) धाधा तिट धाधा तीना – यह कायदा चार पल्टों एवं तिहाई सहित।
   (ब) धाधा तिरकिट धाधा तीना – यह कायदा चार पल्टों व तिहाई सहित।
   2. एक रेला – चार पल्टों व तिहाई सहित।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –28

बी.ए. ऑनर्स तबला–चतुर्थ सेमेस्टर
(शास्त्र)

समयः– 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई – 1

1. भातखण्डे ताललिपि पद्धति की जानकारी।
2. पाठ्यक्रम के तालों त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा, आडाचौताल एवं दीपचन्दी को ठाह, दुगुन, चौगुन, में लिखने का अभ्यास।

इकाई :– 2.

1. दिल्ली घराने का ऐतिहासिक परिचय।
2. दिल्ली घराने की वादन शैली की विशेषताओं का ज्ञान।

इकाई :– 3

1. त्रिताल में विभिन्न बंदिशों को ताल लिपि में लिखना।
2. झपताल, रूपक में मुखड़े, तिहाईयां, ताललिपि में लिखना।

इकाई :– 4

1. ख्याल, ध्रुपद, धमार, टप्पा, तराना, ठुमरी गायन शैली की जानकारी।
2. ख्याल, ठुमरी, धमार, टप्पा, तराना टुमरी की संगति में बजने वाले ठेकों की जानकारी।

इकाई :– 5

1. निम्नलिखित तबला, पखावज वादकों का जीवन परिचय व वादन विशेषताएँः–
उस्ताद अल्लारखा खॉ, उस्ताद हबीबुद्दीन खॉ, उस्ताद गामी खॉ, उस्ताद मुनीर खॉ, उस्ताद नत्थू खॉ, पं. कुदऊ सिंह।
2. संगीत संबंधी विषय पर निबंध लेखन।

बी.ए. ऑनर्स तबला–चतुर्थ सेमेस्टर
(प्रायोगिक)

पूर्णांक : 100

इकाई :– 1

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति तथा एकताल आड़ाचौताल, दीपचन्दी के ठेकों का लहरे के साथ वादन।

इकाई :– 2

2. तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, आडाचौताल, दीपचन्दी, कहरवा एवं दादरा तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

इकाई :– 3

3. ताल तीनताल में एक रेला व दिल्ली घराने का एक कायदा विस्तार सहित।

इकाई :– 4

4. ताल तीनताल में दो मुखड़े एवं दो टुकड़े लहरे के साथ बजाना।

इकाई :– 5

5. तीनताल में दो साधारण परन व एक चक्रदार परन लहरे के साथ बजाना।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –29

बी.ए. ऑनर्स तबला–पंचम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र(शास्त्र)

समयः– 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1 तबले की उत्पत्ति संबंधी विभिन्न मतों एवं तबले के विकास का सामान्य अध्ययन।
2. तबला वादक के गुण एवं दोष।

इकाई–2

1. उत्तर भारत में प्रयुक्त प्रमुख अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन ।
   डफली, दुक्कड, ताशा, नगाडा डफ एवं ढोल
2. निम्न लिखित अवनद्ध वाद्यों की वादन शैली का अध्ययन।
   तबला, पखावज ढोलक एवं नाल

इकाई–3

1. तबले के अजराडा घराने का परिचय।
2. अजराडा घराने की वादन शैली का अध्ययन।

इकाई–4

1. घन वाद्यों का परिचय एवं उनका ऐतिहासिक विवेचन।
2. निम्न लिखित घन वाद्यों का सचित्र वर्णन
   झांझ, मंजीरा, घंटा, जयघंटा एवं चिमटा

इकाई–5

1. भारतीय वाद्य वर्गीकरण के प्राचीन सिद्धांत का अध्ययन।
2. वाद्य वर्गीकरण के संबंध में आधुनिक युग में हुए मूलभूत परिवर्तनों का विवेचन।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल

तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा एवं झूमरा।

.....

बी.ए. ऑनर्स तबला–पंचम सेमेस्टर
(शास्त्र)
द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1 कर्नाटक ताल पद्धति का परिचय।

2 मार्गी और देशी ताल पद्धतियों का परिचय।

इकाई–2

1 तबले के लखनऊ घरानें की ऐतिहासिक जानकारी।

2 तबले के लखनऊ घराने की वादन शैली का अध्ययन।

इकाई–3

1 कर्नाटक संगीत में प्रयुक्त प्रमुख अवनद्ध वाद्यों का वर्णन एवं उनके वादन विधि का सामान्य ज्ञान।

2 लोक संगीत में प्रयुक्त प्रमुख अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन।
मांदल, खंजरी, चिमटा, झांझ एवं घुंघरू

इकाई–4

1 तबला एकल वादन एवं उसके महत्व का अध्ययन

2 तबला एकल वादन में प्रयुक्त रचनाओं का क्रम एवं स्वरूप।

इकाई–5

1 ताल के दस प्राणों का विस्तृत वर्णन।

2 निम्नलिखित तबला वादकों का जीवन परिचय एवं उनकी वादन शैलियों का अध्ययन।
पं. सामता प्रसाद, पं. किशन महाराज पं. रामसहाय एवं उस्ताद अल्लारखा खॉ, उ. मसीत खॉ

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल

तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा, झूमरा, सवारी (15 मात्रा), एवं धमार।

.....

बी.ए. ऑनर्स तबला–पंचम सेमेस्टर
(प्रायोगिक)

पूर्णांक : 200

1 पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2 अजराडा घराने के प्रमुख बोल समुदायों को बजाने का अभ्यास।
3 झपताल में एक पेशकार एक कायदा एवं एक रेला चार पल्टों एवं तिहाई सहित।
4 झपताल में मुखडे टुकडे साधारण परन एवं चक्रदार बजाने का अभ्यास।
5 त्रिताल में सम से सम तक दमदार एवं बेदम तिहाई को बजाने का अभ्यास।
6 तीनताल को विलम्बित एवं मध्य लय में बजाने का अभ्यास।
7 तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा एवं झूमरा तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

मंच –प्रदर्शन

बी.ए. ऑनर्स तबला–पंचम सेमेस्टर

पूर्णांक : 150

आंतत्रित श्रोताओं के समक्ष एकल तबला वादन।

(1) लहरे के साथ त्रिताल में स्वंतत्र वादन (15मिनिट)

(2) परीक्षक के निर्देशानुसार किसी अन्य ताल में स्वतंत्र वादन (10 मिनिट)

तबला मिलाने का ज्ञान।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल वाद्यों की आवश्यकता एवं उपयोगिता – डॉ. चित्रा गुप्ता

परिशिष्ठ –30

बी.ए. ऑनर्स तबला–षष्ठम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र(शास्त्र)

समयः– 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1. कर्नाटक ताल पद्धति का परिचय।
2. मार्गी और देशी ताल पद्धतियों का परिचय।

इकाई–2

1. तबले के लखनऊ घराने की ऐतिहासिक जानकारी।
2. तबले के लखनऊ घराने की वादन शैली का अध्ययन।

इकाई–3

1. कर्नाटक संगीत में प्रयुक्त प्रमुख अवनद्ध वाद्यों का वर्णन एवं उनके वादन विधि का सामान्य ज्ञान।
2. लोक संगीत में प्रयुक्त प्रमुख अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन।
   मांदल, खंजरी, चिमटा, झांझ एवं घुंघरू।

इकाई–4

1. तबला एकल वादन एवं उसके महत्व का अध्ययन।
2. तबला एकल वादन में प्रयुक्त रचनाओं का क्रम एवं स्वरूप।

इकाई–5

1. ताल के दस प्राणों का विस्तृत वर्णन।
2. निम्नलिखित तबला वादकों का जीवन परिचय एवं उनकी वादन शैलियों का अध्ययन।
   पं. सामता प्रसाद, पं. किशन महाराज पं. रामसहाय, उस्ताद अल्लारखा खॉ, उ. मसीत खॉ।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल

तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी तिलवाडा, झूमरा, सवारी (15 मात्रा), एवं धमार

.....

बी.ए. ऑनर्स तबला–षष्ठम सेमेस्टर
शास्त्र द्वितीय प्रश्नपत्र

समयः– 3 घंटे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 42
सी. सी. ई : 08
पूर्णांक : 50

इकाई–1

1 मसीतखानी एवं रजाखानी गतों का सामान्य परिचय। मीड, गमक घसीट एवं कृन्तन की सामान्य जानकारी।

2 तंत्र वाद्यों के घरानों का सामान्य परिचय।

इकाई–2

1 पखावज की उत्पत्ति विकास एवं उसके महत्व का अध्ययन।

2 पखावज पर बजने वाले बोलों की निकास विधि का शास्त्रीय विवेचन।

इकाई–3

1 पंजाब एवं फर्रूक्खाबाद घरानों का ऐतिहासिक परिचय।

2 पंजाब एवं फर्रूक्खाबाद घरानों की वादन शैलियों का अध्ययन।

इकाई–4

1 शास्त्रीय संगीत संबंधी विषय पर निबंध।

2 ध्रुपद धमार अंग की गायकी एवं उनके साथ प्रयुक्त होने वाले तालों का अध्ययन।

इकाई–5

1 निम्नलिखित तबला एवं पखावज वादकों का जीवन परिचय एवं संगीत में उनके योगदान का अध्ययन।

हाजी विलायत अली, पं. अनोखेलाल, नाना पानसे पं. कण्ठे महाराज. उ. करामतुल्ला खॉं।

2. अन्य अवनद्ध वाद्यों की तुलना में तबला वाद्य की अत्यधिक लोकप्रियता का विवेचन।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल

तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा, झूमरा, सवारी (15 मात्रा), धमार, सूलताल, चौताल, तीव्रा एवं रूद्र।

.....

बी.ए. ऑनर्स तबला–षष्ठम सेमेस्टर
(प्रायोगिक)

पूर्णांकः–200

1 पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2 रूपक में एक पेशकार, एक कायदा एवं एक रेला चार पल्टे एवं तिहाई सहित।
3 कहरवा तथा दादरा में लग्गियों के प्रकार।
4 रूपक में मुखडे, टुकडे, साधारण परन एवं चक्रदार बजाने अभ्यास।
5 लखनऊ घराने के प्रमुख बोल समुदायों को बजाने का अभ्यास।
6 एकताल एवं झपताल को विलंबित लय में बजाने का अभ्यास।
7 तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा, झूमरा, सवारी (15 मात्रा) एवं धमार तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

मंच –प्रदर्शन

बी.ए. ऑनर्स तबला–षष्ठम सेमेस्टर

पूर्णांक : 150

आंतत्रित श्रोताओं के समक्ष एकल तबला वादन।

(1) लहरे के साथ त्रिताल में स्वंतत्र वादन (15मिनिट)

(2) परीक्षक के निर्देशानुसार किसी अन्य ताल में स्वतंत्र वादन (10 मिनिट)

तबला मिलाने का ज्ञान।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल वाद्यों की आवश्यकता एवं उपयोगिता – डॉ. चित्रा गुप्ता
5. ताल वाद्य शास्त्र – डॉ. एम. बी. मराठे

परिशिष्ठ –31

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–इतिहास

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. तबला एवं पखावज (मृदंग) की उत्पत्ति एवं विकास का ऐतिहासिक अध्ययन।
2. संगीत संबंधी दिये गये विषय पर न्यूनतम 300 शब्दों में निबंध।

इकाई–2

1. वाद्य वर्गीकरण के सिद्धांत का विस्तृत अध्ययन।
2. प्राचीन घन वाद्यों की वादन विधि एवं उनका सचित्र वर्णन।
   करताल, कास्यताल, कल्पतरू, घण्टा, घडियाल, कम्रा, जयघण्टा, छुद्रघण्टा (घुंघरू)

इकाई–3

1 भारतीय संगीत का इतिहास – भरतकाल से मध्ययुग तक (12वीं शताब्दी तक)।

2 संगीत शास्त्रों में वर्णित प्राचीन तालपद्धति के इतिहास का अध्ययन।

इकाई–4

1 अवनद्ध की परिभाषा तथा निम्नलिखित अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णनः–
   (अ) मृदंग, पणव, दर्दुर, मर्दल, झल्लरी, करटा।
   (ब) पटह, डमरू, निःसाण, त्रिवली, रूंझा, भेरी।

इकाई–5

1 निम्नलिखित शास्त्रकारों एवं उनके ग्रंथों का सामान्य परिचयः–
   (अ) स्वाति, भरत, मतंग, व्यंकटमखी, सवाई प्रतापसिंह।
   (ब) शारंगदेव, महाराणा कुम्भा, पं. भातखण्डे, पं. पलुस्कर।

एम.म्यूज./ एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र (क्रियात्मक–सिद्धांत)

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1 सांगीतिक ध्वनि का वैज्ञानिक अध्ययन। नाद–कोलाहल–तारता, ध्वनि तरंगें तीव्रता गुण या जाति और कर्णेंद्रियों की बनावट एवं श्रवण क्रिया।

2 तबला एवं डग्गा से उत्पन्न होने वाली ध्वनियों का अध्ययन तथा तबला और डग्गे पर क्रमशः काकु भेद एवं दाब–गांस से बोलों के अलंकरण एवं कर्णप्रियता का अध्ययन।

इकाई–2

1 पं. भातखण्डे एवं पं. पलुस्कर ताल लिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।

2 पं. निखिल घोष तथा नारायण जोशी द्वारा प्रतिपादित बंदिश लेखन पद्धतियों का अध्ययन।

इकाई–3

1 कर्नाटक संगीत में प्रचलित अवनद्ध तथा घन वाद्यों का सचित्र वर्णन।
मृदंगम, घटम, मंजीरा, तविल, मोरचंग, चेण्डा।

2 कर्नाटक एवं उत्तर भारतीय तालपद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–4

1 लय और लयकारी का विस्तृत अध्ययन एवं विभिन्न लयकारियों को ताललिपि में लिखने का अभ्यास।

2 त्रिताल, झपताल, एकताल, रूपक, आडाचौताल एवं रूद्र तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखने की क्षमता।

इकाई–5

1 त्रिताल में प्रत्येक मात्रा से प्रारंभ कर बत्तीस तिहाईयों के चक्र का विस्तृत अध्ययन।

2 दिये गये बोलों के आधार पर किसी भी ताल में निर्देशानुसार बंदिशों की रचना कर ताललिपि में लिखना।

एम.म्यूज./ एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
प्रायोगिक

पूर्णांक : 150

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल के अतिरिक्त आडाचौताल एवं रूद्रताल में स्वतंत्र वादन।
2. पाठ्यक्रम के तालों को विभिन्न लयकारियों में बजाने का अभ्यास।
3. तिलवाडा, झूमरा, एकताल, आडाचौताल को विलंबित लय में बजाने की क्षमता।
4. दिल्ली एवं अजराडा घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
5. शास्त्रीय गायन एवं वादन में संगत का अभ्यास।

एम.म्यूज./ एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 100

आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष।

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 20 मिनिट वादन।
2. परीक्षक के निर्देशानुसार आडाचौताल, रूद्र में से किसी एकताल का 15 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास जी
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. तबला वाद्य शास्त्र – डॉ. एम. बी. मराठे
5. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन – डॉ. अरूण कुमार सेन
6. ताल वाद्यों की आवश्यकता एवं उपयोगिता – डॉ. चित्रा गुप्ता
7. तबला वादन के घराने एवं परम्पराएँ – डॉ. अबान मिस्त्री

परिशिष्ठ –32

एम.म्यूज./ एम.ए. तबला–द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–इतिहास

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1 नाट्यशास्त्र के तालाध्याय के आधार पर मार्ग ताल पद्धति का विस्तृत विवेचन।
2 देशी ताल पद्धति का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–2

1 प्राचीन तथा मध्ययुगीन ग्रंथों में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के पाटाक्षर तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन।
2 नाट्यशास्त्र में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के वादन विधि से संबंधित पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या तथा वर्तमान वादन विधि में उनकी उपयोगिता।

इकाई–3

1 दिये गये संगीत संबंधी विषय पर न्यूनतम 200 शब्दों में निबंध लेखन।
2 पखावज एवं तबला वादन की शैली का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–4

1 बंदिश की परिभाषा– विस्तारशील एवं अविस्तारशील बंदिशों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
2 तबला एवं पखावज की बंदिशों के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन।

इकाई–5

1 तालवाद्यों की आवश्यकता, उत्पत्ति एवं विकास का अध्ययन।
2 तालवाद्यों के वर्गीकरण का अध्ययन।

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र (क्रियात्मक–सिद्धांत)

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1 एकल तबला वादन के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन तथा विभिन्न घरानों में एकल तबला वादन के क्रम एवं स्वरूप का अध्ययन।

2 प्राचीन शास्त्र ग्रंथों में वर्णित अवनद्ध वाद्य वादकों के गुण–दोष। (तबला वादन के संदर्भ में)

इकाई–2

1 गत एवं उसके विभिन्न प्रकारों का विवेचनात्मक सोदाहरण अध्ययन।

2 तिहाई और चक्रदार का रचना सिद्धांत एवं उनके अन्तर्निहित संबंध, तुलनात्मक ज्ञान तथा गणितीय सिद्धांतों का विवेचन।

इकाई–3

1 दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल, एकताल, रूद्र, सवारी (15 मात्रा), आडा चौताल तालों में विभिन्न रचनाएँ बनाकर तालिपि में लिखना।

2 त्रिताल में प्रत्येक मात्रा से नवहक्का तिहाईयॉ बनाने का अभ्यास।

इकाई–4

1 पाश्चात्य संगीत की स्टाफ नोटेशन पद्धति का विस्तृत अध्ययन और भारतीय तालों को पाश्चात्य ताल लिपि में लिखने का ज्ञान ।

2 निम्नलिखित पाश्चात्य अवनद्ध वाद्यों का अध्ययनः–
कीटल ड्रम, टेनर ड्रम, बास ड्रम, स्नेअर ड्रम।

इकाई–5

1 त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, सवारी (15 मात्रा) तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखने का अभ्यास।

2 किसी भी ताल मे ठेके को किसी अन्य ताल में सम से सम तक समायोजित कर तालिपि में लिखने का अभ्यास।

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–द्वितीय सेमेस्टर
प्रायोगिक

पूर्णांक : 150

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
2. पूर्व मे सीखे गये तालों के अतिरिक्त ताल सवारी (15 मात्रा) में लहरे के साथ एकल वादन करने की योग्यता।
3. त्रिताल, एकताल, झपताल तथा रूपक में किसी निश्चित बोल को विभिन्न लयकारियों मे बजाने का अभ्यास।
4. बनारस एवं पंजाब घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
5. उपशास्त्रीय एवं सुगम संगीत में संगत का अभ्यास।

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–द्वितीय सेमेस्टर
मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 100

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 20 मिनिट वादन।
2. सवारी (15 मात्रा) लहरें के साथ 15 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास जी
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. तबला वाद्य शास्त्र – डॉ. एम. बी. मराठे
5. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन – डॉ. अरूण कुमार सेन
6. ताल वाद्यों की आवश्यकता एवं उपयोगिता – डॉ. चित्रा गुप्ता
7. तबला वादन के घराने एवं परम्पराएँ – डॉ. अबान मिस्त्री

परिशिष्ठ –33

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–इतिहास

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1 अवनद्ध वाद्यों का इतिहास, संगीत में उनकी उपयोगिता एवं महत्व।

2 अवनद्ध वाद्यों का बनावट आकार तथा निर्माण सामग्री के आधार पर विवेचन।

इकाई–2

1 भारतीय संगीत का इतिहास मध्ययुग (13वीं शताब्दी से वर्तमान युग तक)

2 तबला वादन में घरानों की आवश्यकता, उपयोगिता एवं महत्व तथा वर्तमान युग में घरानों की प्रासंगिकता।

इकाई–3

1. लोक संगीत की व्याख्या तथा लोक संगीत में प्रचलित निम्नलिखित अवनद्ध तथा घन वाद्यों का सचित्र वर्णन :–

(अ) ढोलक, नाल, नगाडा, टिमकी, चिमटा, झांझ

(ब) खोल, ताशा, मांदल, डफ, हुडुक्का, मंजीरा, चिपली

इकाई–4

1 उत्तर भारतीय ताल–पद्धति के विकास का अध्ययन।

2 दिये गये संगीत संबंधी विषय पर न्यूनतम 200 शब्दों में निबंध लेखन।

इकाई–5

1 संगीत में क्लिष्ट एवं अप्रचलित तालों की उपयोगिता पर विचार।

2 पेशकार, कायदा तथा रेला के रचना सिद्धांतों का विस्तृत विवेचन एवं उनका पारस्परिक तुलनात्मक अध्ययन।

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र
(क्रियात्मक–सिद्धांत)

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1 एकल तबला वादन के संदर्भ में ताल का चयन, सामग्री चयन, बंदिशों का क्रम, नग्मा (लहरा) का महत्व।

2 एक सुंदर एवं सफल सांगीतिक प्रस्तुति में मंच सज्जा, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, रंग एवं वेशभूषा का महत्व।

इकाई–2

1 निम्नलिखित पुस्तकों की विशेषताओं का अध्ययन :–

(अ) भारतीय संगीत वाद्य, तबला वादन–कला एवं शास्त्र, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन।

(ब) पखावज और तबला–घराने और परम्पराएँ, ताल कोष, तबले का उदगम,विकास एवं वादन शैलियॉ।

इकाई–3

1 ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन एवं वर्तमान संदर्भ में उसकी व्याख्या।

2 दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल, एकताल, रूपक, रूद्र, सवारी (15 मात्रा), आडा चौताल एवं बसंत तालों में विभिन्न रचनाएँ बनाकर ताललिपि में लिखना।

इकाई–4

1 वर्तमान तालों का विकास एवं इतिहास।

2 सुगम संगीत के तालों का विकास एवं इतिहास।

इकाई–5

1 तालमय ध्वनि का वैज्ञानिक विश्लेषण।

2 चर–अचर प्राणियों पर तालमय ध्वनि का प्रभाव।

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–तृतीय सेमेस्टर
प्रायोगिक

पूर्णांक : 150

1. पिछले पाठयक्रमों की पुनरावृत्ति।
2. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, के अतिरिक्त आडाचौताल, रूद्रताल एवं बसंत में स्वतंत्र वादन।
3. पाठ्यक्रम के तालो को विभिन्न लयकारियों में बजाने का अभ्यास।
4. तिलवाडा, झूमरा, एकताल आडाचौताल को विलंबित लय में बजाने की क्षमता।
5. लखनऊ एवं बनारस घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
6. शास्त्रीय गायन एवं वादन में संगत का अभ्यास।

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–तृतीय सेमेस्टर
मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 100

आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष।

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 20 मिनिट वादन।
2. आडाचौताल, रूद्र, बसंत में से किसी एकताल का परीक्षक के निर्देशानुसार 15 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास जी
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. तबला वाद्य शास्त्र – डॉ. एम. बी. मराठे
5. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन – डॉ. अरूण कुमार सेन
6. ताल वाद्यों की आवश्यकता एवं उपयोगिता – डॉ. चित्रा गुप्ता
7. तबला वादन के घराने एवं परम्पराएँ – डॉ. अबान मिस्त्री

परिशिष्ठ –34

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–इतिहास

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र : 85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

1 प्राचीन एवं वर्तमान ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
2 उपशास्त्रीय तथा सुगम संगीत में प्रयुक्त तालों के विकास का अध्ययन।

इकाई–2

1 संगीत शिक्षण की प्राचीन परंपरा एवं विकास तथा संस्थागत शिक्षा प्रणाली का ऐतिहासिक अध्ययन।
2 गुरू शिष्य परम्परा एवं संस्थागत शिक्षण प्रणाली के गुण–दोष।

इकाई–3

1 छन्द की परिभाषा तथा छन्द और ताल के पारस्परिक संबंधों का ज्ञान।
2 बंदिश के संदर्भ में छन्दों का महत्व, रस–भाव एवं लय–बोल का संबंध।

इकाई–4

1 मुखडा, टुकडा, परन, चक्रदार के रचना सिद्धांत का विस्तृत विवेचन ।
2 पेशकार, कायदा तथा रेला के विस्तार नियमों की व्याख्या।

इकाई–5

1 तबला के विभिन्न घरानों की उत्पत्ति का वादन शैली के आधार पर विश्लेषण।
2 विशिष्ट कलाकारों की वादन विशेषताओं का अध्ययन।
उ. अहमदजान थिरकवा, उ.अल्लारखा खॉ, पं.किशन महाराज, पं. गुदई महाराज।

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र (क्रियात्मक–सिद्धांत)

समय : 3 घण्टे

शास्त्र प्रश्न पत्र :85
सी.सी.ई. : 15
पूर्णांक : 100

इकाई–1

1 प्राचीन वाद्य वर्गीकरण का विवेचन एवं संशोधन की संभावनाएँ।
2 दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल, एकताल, रूपक, रूद्र, सवारी (15 मात्रा), आडा चौताल, बसंत, शिखर एवं अणिमा तालों में विभिन्न रचनाएँ बनाकर तालिपि में लिखना।

इकाई–2

1 पारंपरिक ताल वाद्यों का महत्व एवं उपयोगिता।
2 आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक संगीत उपकरणों की उपयोगिता का विश्लेषणात्मक अध्ययन (ताल वाद्यों के संदर्भ में)

इकाई–3

1 वैदेशिक संगीत में ताल की महत्ता एवं उनके सांगीतिक उपादान।
2 अंग्रेजी, रूसी, फ्रेंच, इटालियन आदि संगीत में ताल का स्थान।

इकाई–4

1 किसी ताल के ठेके को अन्य तालों में समायोजित करने का अभ्यास।
2 लोक संगीत में प्रयुक्त तालों की विवेचना।

इकाई–5

1 संगीत में ताल की अन्तर्निहित धारा का क्रमिक विकास ।
2 विश्व संगीत से भारतीय संगीत की तुलनात्मक विवेचना।

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–चतुर्थ सेमेस्टर
प्रायोगिक

पूर्णांक : 150

1. पिछले पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति।
2. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, के अतिरिक्त आडाचौताल, रूद्रताल, बसंत एवं शिखर में स्वतंत्र वादन।
3. पाठ्यक्रम के तालों को विभिन्न लयकारियों में बजाने का अभ्यास।
4. तिलवाडा, झूमरा, एकताल आडाचौताल को विलंबित लय में बजाने की क्षमता।
5. तीनताल एवं एकताल द्रुत लय में बजाने की क्षमता।
6.. पंजाब एवं फर्रूक्खाबाद घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
7. शास्त्रीय गायन एवं वादन में संगत का अभ्यास।
8. कथक नृत्य की संगति का ज्ञान।

एम.म्यूज./एम.ए. तबला–चतुर्थ सेमेस्टर
मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 100

आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष।

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 20 मिनिट वादन।
2. आडाचौताल, रूद्र, बसंत में से किसी एकताल का परीक्षक के निर्देशानुसार 15 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास जी
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. तबला वाद्य शास्त्र – डॉ. एम. बी. मराठे
5. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन – डॉ. अरूण कुमार सेन
6. ताल वाद्यों की आवश्यकता एवं उपयोगिता– डॉ. चित्रा गुप्ता
7. तबला वादन के घराने एवं परम्पराऍं – डॉ. अबान मिस्त्री

परिशिष्ठ –35

एक वर्षीय सर्टिफिकेट कोर्स (शास्त्र)
तबला

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 50

इकाई :– 1.

1. नाद, संगीत, स्वर, अंलकार, सरगम, थाट, राग, ख्याल, तराना, की परिभाषाऐं।
2. तबले की उत्पत्ति एवं विकासक्रम का अध्ययन।

इकाई :– 2.

1. तबला वाद्य की सचित्र जानकारी।
2. लय, ताल, मात्रा, सम, खाली, ताली, विभाग, ठेका, मुखड़ा, टुकड़ा, तिहाई, कायदा, रेला, पेशकार की परिभाषा।

इकाई :– 3.

1. भातखण्ड़े ताल लिपि की जानकारी।
2. पाठ्यक्रम के तालों को ठाह, दुगुन, चौगुन में लिखने की क्षमता।

इकाई :– 4.

1. पाठ्यक्रम के तालों को पहचानकर पूर्ण करना।
2. पाठ्यक्रम में सीखी गई बंदिशों – पेशकर, कायदे, रेला, मुखड़ा, टुकड़ा, तिहाई आदि को ताल लिपि में लिखना।

इकाई :– 5.

1. ताल के दस प्राण की जानकारी।
2. तबले के वर्णों का निकास – धा, धिं, ना, ता, कत, घे, गे, के, तिं, तू, ति, ट, टे, र आदि।

एक वर्षीय सर्टिफिकेट कोर्स (प्रायोगिक)
तबला

समयः– 3 घंटे पूर्णांकः– 100

1. पाठ्यक्रम के तालों त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, दादरा, कहरवा, को तबले पर बजाना व हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना।
2. पाठ्यक्रम के तालों को ठाह, दुगुन, चौगुन, में बजाना व पढ़न्त करना।
3. निम्नांकित रचनाओं का वादन व पढ़न्त।
   1. धाधातिट धाधातीना– कायदा– चार पल्टों व तिहाई सहित।
   2. धाधा तिरकिट धाधातीना – कायदा चार पल्टों व तिहाई सहित।
   3. धाऽ तिर किट धाऽ तिर किट धाधा तिर किट धाऽतिर किट धाऽतिरकिट– रेला चार पल्टो व तिहाई सहित।
   4. तीनताल में दो मुखड़े व दो तिहाई तबले पर बजाना व पढ़न्त।
   5. झपताल व रूपक ताल में दो–दो मुखड़े व दो–दो तिहाई। बजाना व पढ़न्त।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास

परिशिष्ठ –36

एकवर्षीय डिप्लोमा–तबला

(शास्त्र)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 50

इकाई :– 1.

1. श्रुति, सप्तक, आलाप, तान, टप्पा, ठुमरी, लक्षणगीत, शुद्ध एवं विकृत स्वर की परिभाषा।
2. सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

इकाई :– 2.

1. आड़ाचौताल, तिलवाड़ा, चौताल, झूमरा व सूलताल के ठेकों को ठाह, दुगुन, चौगुन में लिखना।
2. दीं, त्रक, घ्ड़ान, क्ड़धातिट, क्ड़ान, घेघेतिट, घिड़नग, किड़नग, इन बोलों की निकास विधि की जानकारी।

इकाई :– 3.

1. लय व लय के प्रकारों की जानकारी।
2. ग्रह, मोहरा, तिहाई व उसके प्रकार सरल परन, चक्रदार परन, गत की सोदाहरण जानकारी।

इकाई :– 4.

1. मुगल काल से आज तक के संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
2. तबले के घरानों की संक्षिप्त जानकारी।

इकाई :– 5.

1. पाठ्यक्रमों में सीखी गई रचनाओं को ताल लिपि मे लिखने का अभ्यास।
2. तबला वादक के गुण–दोषों का अध्ययन।

एक वर्षीय डिप्लोमा–तबला

(प्रायोगिक)

समयः– 3 घंटे **पूर्णाकः–100**

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति। तथा आड़ाचौताल, तिलवाड़ा, चौताल, सूलताल, झूमरा तालों के ठेके ठाह, दुगुन, चौगुन में बजाने का अभ्याास।
2. तीनताल में दिल्ली व अजराड़ा घराने के कायदे विस्तार सहित वादन।
3. धीक्ड़ धिंधा ऽधा धिंधा पेशकर (तीनताल में) चार पल्टों तिहाई सहित वादन।
4. तीनताल में चक्रदार परन, फरमाईशी परन, टुकड़े व अन्य रचनाऐं।
5. ताल झपताल व रूपक ताल में एक–एक कायदा विस्तार सहित।
6. दादरा एवं कहरवा तालों के ठेके के प्रकार।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।

:संदर्भ सूचीः

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –37

एक वर्षीय एड़वांस डिप्लोमा–तबला
प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इकाईः–1.

1. भारतीय वाद्यों के वर्गीकरण का विशेलषणात्मक अध्ययन।
2. अवनद्ध वाद्यों की उत्पति व विकास का ऐतिहासिक अध्ययन।

इकाईः–2.

1. पं. पलुस्कर ताल पद्धति का अध्ययन व पाठ्यक्रम की तालों को पं. पलुस्कर ताल लिपि में लिखने का अभ्यास।
2. समान मात्रा वाले तालों का तुलनात्मक अध्ययन।
   तीव्रा–रूपक, एकताल–चौताल, झपताल–सूलताल, आड़ाचौताल–धमार।

इकाईः–3.

1. तबले के घरानों की जानकारी तथा घरानों की वादनशैली की विशेषताऐं।
2. ताल के दस प्राण का विस्तृत अध्ययन।

इकाईः–4.

1. गायन, वादन, नृत्य के साथ तबला संगति के सिद्वान्त।
2. कायदे एवं रेले के रचना सिद्वान्त व प्रस्तार नियम।

इकाईः–5.

1. घन एवं अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन।
   1. घंटा, कांस्यताल, चिपली,,जयघंटा, मंजीरा, झांझ।
   2. पखावज, खोल, ढोलक, खंजरी, डफ, नाल।

एडवांस डिप्लोमा–तबला
द्वितीय प्रश्नपत्र

समयः– 3 घंटे पूर्णांकः–100

इकाईः–1.

1. पाश्चात्य स्वर ताल लिपि का सामान्य ज्ञान।
2. कर्नाटक तालिपि पद्धति का अध्ययन।

इकाईः–2.

1. त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, आड़ाचौताल, चौताल, सूलताल, झूमरा, तिलवाड़ा को पौनगुन, सवागुन, पौने दो गुन, सवा दो गुन लयकारी में लिखने का अभ्यास।
2. किसी ताल के ठेके को अन्य तालों में सम से सम तक समायोजित कर लिखने का अभ्यास।

इकाईः–3.

1. दिये गये बोलों के आधार पर कायदा, रेला, परन, टुकड़ा,तिहाई की रचना कर तालिपि में लिखने का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के तालों में सिखाई गयी बंदिशों को तालिपि में लिखना।

इकाईः–4.

1. मार्गी एवं देशी ताल पद्धाति का विस्तृत अध्ययन।
2. उत्तर भारतीय ताल पद्धाति का अध्ययन तथा प्राचीन एवं वर्तमान ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाईः–5.

1. प्रख्यात तबला वादकों का जीवन परिचय व वादन की विशेषताऐं।
   पं. सामता प्रसाद, उस्ताद मसीत खॉ, उस्ताद करामतउल्ला खॉ, उस्ताद मुनीर खॉ, पं. किशन महाराज, उस्ताद हबीबुद्दीन खॉ।
2. निम्नलिखित शास्त्रकारों तथा उनके ग्रंथों का सामान्य परिचय।
   स्वाति मुनि, भरत मुनि, मतंग, शारंगदेव, व्यंकटमखी, महाराणा कुम्भा, सवाई प्रताप सिंह।

एडवांस डिप्लोमा–तबला

प्रायोगिक

समयः– 3 घंटे पूर्णांकः–150

1. पिछले पाठ्यक्रम में सीखे गये तालों तीनताल, झपताल, रूपक के अतिरिक्त एकताल में पेशकार, कायदे, रेला, टुकडे, चक्रदार, फरमाईशी, चक्रदार व परन का लहरे साथ स्वतंत्र वादन।
2. ठेके के माध्यम से लयकारी का प्रदर्शन।
3. विभिन्न घरानों की बंदिशों को पढ़ने व बजाने का अभ्यास।
4. तीनताल, एकताल, तिलवाड़ा, झूमरा, आड़ाचौताल, दीपचंदी, चौताल व धमार तालों के ठेके संगत की दृष्टि से उपयुक्त लयों में बजाने का अभ्यास।
5. सुगम संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेके तथा लग्गी, लड़ी, तिहाई बजाने का अभ्यास।

मंच प्रदर्शन
विषयः–तबला

समयः– 3 घंटे पूर्णांकः–100

1. आमंत्रित श्रेताओं के समक्ष तबला स्वतंत्र वादन का प्रदर्शन।
   (अ) त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, में से किन्ही दो तालों में न्यूनतम 20 मिनिट वादन।
   (ब) गायन/वादन के साथ तबला संगति का प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –38

स्वाध्यायी

बी. म्यूज. प्रथम वर्ष (तबला)
प्रथम प्रश्न पत्र
संगीत सिद्धांत

समय 3 घण्टा

पूर्णांक :100
न्यूनतम उत्तीर्णांक :33

इकाई–1

1. भारतीय वाद्यों के वर्गीकरण का सिद्धांत । उत्तर भारतीय संगीत के निम्नांकित वाद्यों का सचित्र विवरण :– सितार, सरोद, सारंगी, संतूर, शहनाई, बांसुरी, बेला, विचित्र वीणा, तानपूरा, हारमोनियम।

इकाई–2

1. निम्नलिखित अवनद्ध वाद्यों का संक्षिप्त इतिहास :– मृदंग, तबला। तबला एवं मृदंग की बनावट का सचित्र वर्णन तथा उनके विभिन्न अंगों की उपयोगिता एवं महत्व।
2. तबला स्वर में मिलाने का ज्ञान। बनावट एवं वादन शैली के आधार पर तबला एवं मृदंग की प्रमुख विशेषताएँ, समानता एवं भिन्नता।

इकाई–3

1. तबले के दिल्ली घराने एवं अजराडा घराने का ऐतिहासिक वर्णन।
2. दिल्ली एवं अजराडा घराने की वादन विशेषताओं का उदाहरण सहित अध्ययन।

इकाई–4

1. पं. भातखण्डे ताललिपि पद्धति का संपूर्ण अध्ययन।
2. पाठ्यक्रम के सभी तालों के ठेकों को दुगुन, तिगुन, चौगुन की लयकारी में लिखना।

इकाई–5

1. निम्नलिखित तबला–पखावज वादकों की जीवनी तथा उनकी वादन विशेषताएँ – नत्थू खॉ, उ. गामे खॉ, उ. लतीफ अहमद, उ. हबीबुद्दीन खॉ, उ. मुनीर खॉ, उ. अहमद जान थिरकवा, पं. कुदऊ सिंह।

स्वाध्यायी
बी. म्यूज. प्रथम वर्ष (तबला)
द्वितीय प्रश्न पत्र
संगीत शास्त्र का क्रियात्मक ज्ञान

समय 3 घण्टा पूर्णांक :100

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 33

इकाई–1

1. तबले के वर्ण (पाटाक्षर) संयुक्त तथा असंयुक्त वर्णों के निकास की विधियों का समुचित ज्ञान।
2. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की सोदाहरण व्याख्या – लय, मात्रा, विभाग, ताली, खाली, ताल, ठेका, पेशकार, कायदा, पलटा, रेला, टुकडा, मुखडा, तिहाई, परन, चक्रदार, लग्गी, लडी बांट।

इकाई–2

1. निम्नलिखित तालों का पूर्ण परिचय तथा उनके ठेकों को तालिपि में लिखने का अभ्यास :– त्रिताल, तिलवाडा, सवारी (15 मात्रा), आडाचौताल, धमार, झूमरा, एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल, कहरवा, रूपक, तीव्रा, दादरा।
2. पाठ्यक्रम में दिये गये समान मात्रा की तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–3

1. त्रिताल में विभिन्न रचनाओं को तालिपि में लिखने का ज्ञान। झपताल में विभिन्न रचनाओं को तालिपि में लिखने का ज्ञान।

इकाई–4

1. पाठ्यक्रम के अन्य तालों के ठेके के प्रकार, तिहाईयॉ तथा मुखडे तालिपि में लिखना।
2. कहरवा तथा दादरा के ठेके के प्रकार तथा लग्गियों को लिखने का ज्ञान।

इकाई–5

स्वर, सप्तक, अलंकार, राग, लक्षणगीत, सरगम की परिभाषा। बडा ख्याल, छोटा ख्याल, तराना, टप्पा इन गायन शैलियों की जानकारी तथा उनके साथ प्रयुक्त होने वाले तालों की जानकारी।

———————

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल– त्रिताल, तिलवाडा, सवारी, आडाचौताल, धमार, झूमरा, दीपचंदी, एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल, कहरवा, रूपक, तीव्रा, दादरा।

स्वाध्यायी

बी. म्यूज. प्रथम वर्ष (तबला)

प्रायोगिक

पूर्णांक :200

न्यूनतम उत्तीर्णांक :66

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों त्रिताल, तिलवाडा, सवारी (15 मात्रा) आडाचौताल, धमार, झूमरा, चौताल, एकताल, झपताल, सूलताल, रूपक, कहरवा, तीव्रा, दादरा को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन की लयकारियों में पढन्त करने का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के सभी तालों के ठेके लहरे के साथ ठाह, दुगुन, तिगुन तथा चौगुन में बजाने का अभ्यास।
3. त्रिताल में पेशकार (न्यूनतम पांच प्रकार) तीन कायदे (न्यूनतम पांच पल्टे सहित), दो रेले, तिहाईयॉ, मुखडे, टुकडे, परनें, साधारण चक्रदार का लहरे के साथ स्वतंत्र वादन तथा हाथ से ताली देकर पढन्त करना।
4. झपताल में लहरे के साथ पेशकार (न्यूनतम चार प्रकार), दो कायदे (चार पल्टों सहित), एक रेला, तिहाईयॉ, मुखडे, टुकडे, परनों का स्वतंत्र वादन तथा हाथ से ताली देकर पढन्त करना।
5. त्रिताल में दिल्ली एवं अजराडा घराने के दो–दो कायदे, पल्टों सहित बजाने की क्षमता।
6. 'धिरधिर' के रेले को अपेक्षित लय में बजाने का अभ्यास।
7. शास्त्रीय गायन की विभिन्न शैलियों के साथ तबला संगति का अभ्यास।
8. सवारी (15 मात्रा), आडा चौताल, एकताल तथा रूपक में तिहाईयॉ एवं मुखडे बजाने की क्षमता।
9. कहरवा तथा दादरा के ठेके के प्रकार तथा लग्गियों को बजाने का अभ्यास।

परिशिष्ठ –39

बी. म्यूज. प्रथम वर्ष (स्वाध्यायी)
सहायक विषय–गायन
(तबला विषय के विद्यार्थियों के लिये)
प्रायोगिक

समय– 20 मिनट पूर्णांक–100

3 किन्ही दो थाटो में दस–दस अलंकारों का अभ्यास । गायन के विद्याार्थियों हेतु पाठ्यक्रम के रागों मे स्वरमालिका और लक्षण गीत का गायन।

4 पाठ्यक्रम के राग – यमन, भैरव, भूपाली, खमाज, काफी, वृन्दावनी सारंग, दुर्गा बिलावल या अल्हैया बिलावल।

अ पाठयक्रम के किन्ही दो रागो में विलम्बित ख्याल /विलंबित रचना/ मसीतखानी गत का अभ्यास।

ब पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल, रजाखानी गत/मध्यलय रचना का पाँच तानों सहित प्रदर्शन।

स पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद तथा एक तराने का गायन अथवा किसी एक राग में तीन ताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का अपने वाद्य पर प्रदर्शन।

3. आकाशवाणी द्वारा मान्य 'वन्दे मातरम'/भजन/देशभक्ति गीत का स्वरलय में गायन अथवा वादन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।

4. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन–

त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल एवं धमार तथा त्रिताल की दुगुन का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

परिशिष्ठ –40

स्वाध्यायी
बी. म्यूज. द्वितीय वर्ष (तबला)
प्रथम प्रश्न पत्र
संगीत सिद्धांत

समय 3 घण्टा पूर्णांक : 100
न्यूनतम उत्तीर्णांक :33

इकाई–1

1. उत्तर भारतीय ताल पद्धति का अध्ययन (ताल के दस प्राणों के विशेष संदर्भ में)।
2. कर्नाटकताललिपि पद्धति की संक्षिप्त जानकारी।

इकाई–2

1. ध्रुपद, धमार, ठुमरी, दादरा, गजल, भजन इन गीत प्रकारों तथा मसीतखानी एवं रजाखानी गत प्रकारों की संक्षिप्त जानकारी तथा उनके साथ संगत में प्रयोग किये जाने वाले तालों का ज्ञान।
2. संगीत में लिपि पद्धति की आवश्यकता, उपयोगिता एवं महत्व।

इकाई–3

1. पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर ताललिपि पद्धति का सम्पूर्ण अध्ययन।
2. पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर एवं पं. विष्णु नारायण भातखण्डे पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–4

1. तबले के लखनऊ, फर्रूक्खाबाद तथा बनारस घराने का ऐतिहासिक अध्ययन तथा वादन विशेषताओं का उदाहरण सहित अध्ययन।

इकाई–5

1. निम्नलिखित कलाकरों का जीवन परिचय तथा उनकी वादन विशेषताऍं– उ. आबिद हुसैन, हाजी विलायत अली, उ. मसीत खॉं, पं. रामसाहय. पं. कण्ठे महाराज, पं. अनोखे लाल, श्री नाना पानसे।

स्वाध्यायी
बी. म्यूज. द्वितीय वर्ष (तबला)
द्वितीय प्रश्न पत्र
संगीत शास्त्र का क्रियात्मक ज्ञान

समय 3 घण्टा पूर्णांक :100

न्यूनतम उत्तीर्णांक :33

इकाई–1

1. निम्नलिखित तालों के ठेकों को ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन की लयकारी में तालिपि में लिखने की क्षमता :– अध्धा, जत, दीपचंदी, गजझम्पा, रूद्र, विक्रम, मत्त, वसंत, मणि, लक्ष्मी।
2. लय और लयकारी की तुलना। आड (3/2), की लयकारियों को तालिपि में लिखने का ज्ञान।

इकाई–2

1. तंत्री वाद्य तथा सुषित वाद्यों के साथ तबला संगति की जानकारी।
2. कथक नृत्य तथा सुगम संगीत के साथ तबला संगति के सिद्धांत ।

इकाई–3

1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की उदाहरण सहित व्याख्या :– गत, परन, दुपल्ली, चौपल्ली, नौहक्का, फरमाईशी चक्रदार, रौ, गत–फर्द।
2. दिये गये बोलों के आधार पर ताल की पहचान। तिहाई, मुखडा और टुकडा बनाने का अभ्यास तथा उन्हें लिपिबद्ध करने की योग्यता।

इकाई–4

1. एकल तबला वादन के सिद्धांत एवं महत्व।
2. संगीत में समान मात्रा वाली तालों की उपयोगिता एवं उनका तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–5

1. बी. म्यूज. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. निम्नलिखित वाद्यों की सचित्र जानकारी :– पखावज, ढोलक, मृदंगम, घटम, खंजरी (कंजीरा), खोल, नाल, डफली।

————————

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल – त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा, तिलवाडा, आडाचौताल, धमार, झूमरा, चौताल, सूलताल, तीव्रा।

स्वाध्यायी

बी. म्यूज. द्वितीय वर्ष (तबला)

प्रायोगिक

पूर्णांक :200

न्यूनतम उत्तीर्णांक :66

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. त्रिताल तथा झपताल में लहरे के साथ सम्पूर्ण एकल वादन।
3. रूपक में पेशकार (न्यूनतम पांच प्रकार), तीन कायदे (न्यूनतम पांच पल्टों सहित), दो रेले, मुखडे, टुकडे, तिहाईयॉ, परने, चक्रदार का लहरे के साथ स्वतंत्र वादन।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों (अध्धा, जत, दीपचंदी, गजझंपा, रूद्र, विक्रम, मत्त, बसंत, मणि, लक्ष्मी) के ठेकों को लहरे के साथ दुगुन, तिगुन और चौगुन की लयकारी में बजाना तथा हाथ से ताली देकर पढन्त करना।
5. लखनऊ, फर्रूक्खाबाद तथा बनारस घराने की प्रतिनिधि बंदिशों के न्यूनतम दो–दो प्रकारों को बजाने का अभ्यास।
6. पाठ्यक्रम के तालों में दिये गये बोलों के आधार पर तिहाई एवं मुखडा बनाना तथा इन्हें बजाने का अभ्यास।
7. तिलवाडा, झूमरा तथा एकताल को विलम्बित तथा एकताल एवं त्रिताल के ठेकों को द्रुत लय में बजाने का अभ्यास।
8. एकताल, आडाचौताल तथा सवारी (15 मात्रा) में टुकडे, साधारण परन तथा फरमाईशी चक्रदार बजाने का अभ्यास।
9. वाद्य वादन तथा कथक नृत्य के साथ तबला संगति का अभ्यास।

परिशिष्ठ –41

सहायक विषय
सुगम एवं लोक संगीत प्रायोगिक
बी.म्यूज.–द्वितीय वर्ष (स्वाध्यायी)
खण्ड (अ) प्रदर्शन एवं मौखिक (सुगम संगीत)

पूर्णांक : 50

1. निम्नलिखित संत, गीतकार एवं शायरों के चार भजन, चार गीत एवं चार गजलों का प्रशिक्षण।
   (1) तुलसीदास (2) सूरदास (3) मीराबाई (4) गुरूनानक (5) कबीर (6) निराला (7) नीरज
   (8) सुमित्रानंदन पंत (9) बच्च्न (10) फैज (11) गालिब (12) जफर (13) मीर (14) जिगर (15)महादेवी वर्मा
2. राग काफी एवं खमाज रागों में लक्षण गीत, सरगम, छोटा ख्याल का 5–5 तानों सहित गायन।
3. देश के किसी भी क्षेत्र में प्रचलित दो लोकगीत।
4. हारमोनियम बजाकर किसी एक रचना का गायन।
5. पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों को ठाह, दुगुंन, चौगुन को हाथ से ताली देकर बोलने का अभ्यास :–
   (अ) दीपचन्दी (ब) एकताल (स) रूपक

खण्ड (ब) लोक संगीत प्रायोगिक:- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 50

1. तालों का व्यवहारिक ज्ञान। दादरा कहरवा दीपचन्दी आदि। (लोक गीतों में प्रयोग होने वाले ठेके एवं तालों का ज्ञान)
2. अपने प्रदेश के अंचलों के एक–एक लोक गीतों का निम्नानुसार व्यवहारिक ज्ञान –
   (अ). संस्कार गीत, (ब). ऋतु गीत (स). श्रम गीत (द). उत्सव गीत
   (इ) मनोरंजन गीत
3. सीखी हुई किसी लोक रचना को हार्मोनियम पर बजाकर गाने का अभ्यास।
4. अपने प्रदेश के अंचलों के सीखे हुये लोकगीतों में शास्त्रीय संगीत के तत्व और लोकगीत तथा शास्त्रीय
   संगीत से सम्बन्ध।
5. निम्नलिखित भारत के प्रमुख प्रतिनिधि लोकगीतों का अवसर, स्वर पक्ष, प्रयुक्त होने वाले वाद्य, लय व ताल तथा भावार्थ सहित किन्हीं तीन का व्यवहारिक ज्ञान।बुन्देलखण्डी (मध्यप्रदेश), लावणी, पोवाड़ा (महाराष्ट्र), गरबा (गुजरात), विदेशिया (बिहार), भांगड़ा या टप्पा (पंजाब), बादल या भटियाली (पश्चिम बंगाल), बीहू (असम), चैती या कजरी (उत्तर प्रदेश), नाटी या गिद्दा (हिमाचल प्रदेश), उड़िया (उड़ीसा), मणीपुरी (मणिपुर), ओणम (केरल), माथुरी (आन्ध्र प्रदेश), आदि।
6. सीखे हुये लोक गीतों के साथ वाद्यों को बजाने का सामान्य ज्ञान।
   सीखे हुये किसी भी लोक रचना को स्वरबद्ध करने का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तानलिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

परिशिष्ठ –42

स्वाध्यायी

बी. म्यूज. तृतीय वर्ष (तबला)

प्रथम प्रश्न पत्र

संगीत सिद्धांत

समय 3 घण्टा

पूर्णांक :100

न्यूनतम उत्तीर्णांक :33

इकाई–1

1. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास (भरतकाल से अब तक)।
2. भारतीय संगीत में अवनद्ध वाद्यों का स्थान एवं महत्व।

इकाई–2

1. उत्तर भारतीय तथा कर्नाटक ताल पद्धति का विस्तृत तुलनात्मक अध्ययन।
2. शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त उत्तर एवं दक्षिण भारत के निम्मलिखित अवनद्ध एवं घन वाद्यों का सचित्र वर्णनः– तबला, पखावज, मृदंगम, घटम, खंजरी, तविल, मुखचंग।

इकाई–3

1. तबला एकल वादन का महत्व तथा एकल वादन हेतु प्रयुक्त रचनाओं का क्रम एवं स्वरूप।
2. प्राचीन शास्त्र ग्रंथों के आधार पर अवनद्ध वाद्य–वादकों के गुण दोषों की जानकारी (तबला वादक के संदर्भ में)।

इकाई–4

1. बाज तथा घराने की परिभाषा।
2. तबला वादन के विभिन्न घरानों का ऐतिहासिक विवरण एवं वादन विशेषताओं का ज्ञान।

इकाई–5

1. निम्नलिखित वादकों का जीवन परिचय एवं उनके वादन की विशेषताएंः– उ. अफाक हुसैन, उ. करामतुल्ला खॉ, उ. जहांगीर खॉ, पं. किशन महाराज, पं. सामता प्रसाद, उ. अल्लारक्खा, उ. जाकिर हुसैन, स्वामी रामशंकरदास 'पागलदास'।

स्वाध्यायी

बी. म्यूज. तृतीय वर्ष (तबला)

द्वितीय प्रश्न पत्र

संगीत शास्त्र का क्रियात्मक ज्ञान

समय 3 घण्टा पूर्णांक :100

न्यूनतम उत्तीर्णांक :33

इकाई–1

1. पिछले सम्पूर्ण पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति। विभिन्न बंदिशों को ताललिपि में लिखने की क्षमता।

इकाई–2

2. मार्ग एवं देशी तालों का सामान्य परिचय। पाश्चात्य संगीत लिपि (स्टाफ नोटेशन पद्धति) का सामान्य ज्ञान।

इकाई–3

3. टुकडा, मुखडा, मोहरा, तिहाई के रचना सिद्धांत का ज्ञान तथा दिये गये बोलों के आधार पर रचनाएँ कर लिपिबद्ध करना।
4. कायदा और पेशकार के विस्तार के सिद्धांतों का विवेचन।

इकाई–4

5. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का सोदाहरण व्याख्या– दमदार तिहाई, बेदम तिहाई, लग्गी, एकहत्थी, फरमाईशी चक्रदार, कमाली चक्रदार, लडी, नौहक्का, गत–फर्द।
6. गत एवं उसके विभिन्न प्रकारों का उदाहरण सहित विवेचन।

इकाई–5

7. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों को निम्नांकित लयकारियों में लिखने का अभ्यास :–
   आड,
   कुआड तथा बिआड।
8. संगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

————————

पाठ्यक्रम के निर्धारित तालः– त्रिताल, तिलवाडा, सवारी, आडाचौताल, धमार, झूमरा, दीपचन्दी, एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल, कहरवा, रूपक, तीव्रा, दादरा, रूद्र, चारताल की सवारी।

स्वाध्यायी

बी. म्यूज. तृतीय वर्ष (तबला)

प्रायोगिक

पूर्णांक :200

न्यूनतम उत्तीर्णांक :66

1. पिछले पाठ्यक्रम की (बी.म्यूज. प्रथम तथा द्वितीय वर्ष) की पुनरावृत्ति।
2. झपताल, रूपक, आडाचौताल एवं एकताल में पेशकार (न्यूनतम पांच प्रकार), तीन कायदे (न्यूनतम चार पल्टे), एक रेला, परन, चक्रदार, फरमाईशी एवं कमाली चक्रदार का लहरे के साथ स्वतंत्र वादन।
3. त्रिताल में विभिन्न घरानों की बंदिशों सहित सम्पूर्ण एकल वादन।
4. त्रिताल में प्रत्येक मात्रा से उठने वाली विभिन्न तिहाईयों (बेदम, दमदार तथा नौहक्का) का अभ्यास।
5. ग्यारह तथा पन्द्रह मात्राओं की तालों में तिहाईयॉ, टुकडे तथा परन बजाने की क्षमता।
6. पाठ्यक्रम के तालों के ठेके हाथ से ताली देकर दुगुन, तिगुन, चौगुन तथा आड की लयकारी में पढना एवं तबले पर बजाना।
7. गायन, वादन एवं नृत्य की संगति का अभ्यास।
8. दी गई तिहाई को दम अथवा लयकारी के प्रयोग से विभिन्न तालों में समायोजित करने का अभ्यास।

स्वाध्यायी

बी. म्यूज. तृतीय वर्ष (तबला)

प्रायोगिक (मंच प्रदर्शन)

पूर्णांक :150

न्यूनतम उत्तीर्णांक :50

1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष न्यूनतम 15 मिनिट तक परीक्षार्थी की इच्छानुसार किसी ताल में एकल वादन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये तालों में से किसी एक ताल में एकल वादन।
3. गायन अथवा वादन की संगति।
4. तबला मिलाने का ज्ञान।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को ताललिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

परिशिष्ठ –43

बी.ए. तबला–प्रथम वर्ष (स्वाध्यायी)
शास्त्र – प्रश्नपत्र

समयः– 3 घंटे

पूर्णांक :100
न्यूनतम उत्तीर्णांक :33

इकाई :– 1.

1. संगीत की परिभाषा। गायन, वादन, नृत्य का सामान्य परिचय।
   नाद, स्वर, स्वर के प्रकार, (शुद्ध, विकृत) सप्तक, श्रृति, आंदोलन, थाट, राग, अंलकार की परिभाषा।
2. अवनद्ध वाद्य की व्याख्या एवं विकास का ऐतिहासिक विवरण।

इकाई :– 2.

1. ताल की परिभाषा। संगीत में ताल का स्थान एवं महत्व।
2. लय, लय के प्रकार, (विलम्बित, मध्य, द्रुत) मात्रा, विभाग, ताली, खाली, ठेका, सम, आवर्तन की परिभाषा।

इकाई :– 3.

1. तबला वाद्य की उत्पत्ति एवं विकास क्रम की ऐतिहासिक जानकारी।
2. तबला, डग्गा, की बनावट और इसके विभिन्न अंगों की जानकारी।

इकाई :– 4.

1. वर्ण (पाटाक्षर) की परिभाषा। संयुक्त एवं असंयुक्त वर्णों की निकास विधि का ज्ञान।
2. पाठ्यक्रम के तालों त्रिताल, झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा की ठाह एवं दुगुन ताल लिपि में लिखने का ज्ञान।

इकाई :– 5.

1. मोहरा, मुखड़ा टुकड़ा, तिहाई, पेशकार, कायदा, पल्टा, रेला, परन, लयकारी की परिभाषा।
2. त्रिताल में विभिन्न बंदिशों को ताल लिपि में लिखने का ज्ञान।

बी.ए. तबला–प्रथम वर्ष
(प्रायोगिक)

पूर्णांक :200
न्यूनतम उत्तीर्णांक :66

इकाई :– 1.

1. तबले के वर्णों की निकास विधि।

इकाई :– 2.

2. पाठ्यक्रम के ताल त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा के ठेको में एक से चार मात्रा के मोहरे तबले पर बजाने का अभ्यास।

इकाई :– 3.

3. ताल त्रिताल की पहली, पांचवी, नौवी व तेरहवीं मात्रा से उठने वाली तिहाईं हाथ से ताली देकर पढने व तबले पर बजाने का अभ्यास।

इकाई :– 4.

4. ताल, त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, कहरवा तथा दादरा तालों की ठाह एवं दुगुन लयकारी में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

इकाई :– 5.

5. त्रिताल में लहरे के साथ एकल वादन व हाथ से ताली देकर पढन्त।
   1 (अ) धाधा तिट धाधा तीना – यह कायदा चार पल्टों एवं तिहाई सहित
   (ब) धाधा तिरकिट धाधा तीना – यह कायदा चार पल्टों व तिहाई सहित
   2 एक रेला – चार पल्टों व तिहाई सहित।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 – पं. गिरीषचन्द्र श्रीवास्तव

परिशिष्ठ –44

बी.ए. तबला–द्वितीय वर्ष
(शास्त्र) प्रश्न पत्र

समय : 3 घंटे

पूर्णांक :100
न्यूनतम उत्तीर्णांक :33

इकाई–1

1 भातखन्डे ताल लिपि की जानकारी।

2 तबला वादक के गुण एवं दोष

इकाई–2

1 उत्तर भारत में प्रयुक्त प्रमुख अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन ।
डफली, दुक्कड, ताशा, नगाडा डफ एवं ढोल

2 निम्न लिखित अवनद्ध वाद्यों की वादन शैली का अध्ययन।
तबला, पखावज ढोलक एवं नाल।

इकाई–3

1 तबले के दिल्ली व अजराडा घराने का परिचय।

2 दिल्ली व अजराडा घराने की वादन शैली का अध्ययन।

इकाई–4

1 घन वाद्यों का परिचय एवं उनका ऐतिहासिक विवेचन।

2 निम्न लिखित घन वाद्यों का सचित्र वर्णन।
झांझ, मंजीरा, घंटा, जयघंटा एवं चिमटा

इकाई–5

1 भारतीय वाद्य वर्गीकरण के प्राचीन सिद्धांत का अध्ययन।

2 वाद्य वर्गीकरण के संबंध में आधुनिक युग में हुए मूलभूत परिवर्तनों का विवेचन।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल

तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा एवं झूमरा।

.....

बी.ए. तबला–द्वितीय वर्ष (स्वाध्यायी)
(प्रायोगिक)

पूर्णांक :200
न्यूनतम उत्तीर्णांक :66

1 पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति व तीनताल में एक कायदा व एक रेला विस्तार सहित।

2 दिल्ली व अजराडा घराने के प्रमुख बोल समुदायों को बजाने का अभ्यास।

3 झपताल में स्वतंत्र वादन ।

4 त्रिताल में सम से सम तक दमदार एवं बेदम तिहाई को बजाने का अभ्यास।

5 तीनताल को विलम्बित एवं मध्य लय में बजाने का अभ्यास।

6 तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा एवं झूमरा तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में पढन्त एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –45

बी.ए. तबला–तृतीय वर्ष (स्वाध्यायी)
(शास्त्र) प्रथम प्रश्न पत्र

समयः– 3 घंटे

पूर्णांक :100
न्यूनतम उत्तीर्णांक :33

इकाई–1

1 पलुस्कर तालिलिपि पद्धति की जानकारी तथा भातखन्डे एवं पलुस्कर तालांकन पद्वति का तुलनात्मक अध्ययन।

2 स्टाफ नोटेशन पद्धति की सामान्य जानकारी।

इकाई–2

1 लय एवं लयकारी का तुलनात्मक अध्ययन।

2 आड, कुआड एवं बिआड लयकारियों को तालिलिपि में लिखने का अभ्यास।

इकाई–3

1 कायदा निर्मिति एवं उसके विस्तार का सैद्धांतिक अध्ययन।

2 संगीत की उपशास्त्रीय संगीत शैली में प्रयुक्त तालों का अध्ययन।

इकाई–4

1 समान मात्रा वाले तालों की उपयोगिता एवं उनके महत्व का अध्ययन।

2 निम्नलिखित समान मात्रा की तालों का तुलनात्मक अध्ययन।
एकताल–चौताल, झपताल–सूलताल, रूपक–तीव्रा, आडाचौताल–धमार।

इकाई–5

1 वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तबले के विभिन्न घरानों का महत्व एवं उनका अस्तित्व।

2 बनारस घराने की ऐतिहासिक जानकारी एवं वादन शैली का अध्ययन।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल

तीनताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा, दादरा, आडाचौताल, दीपचन्दी, तिलवाडा, झूमरा, सवारी (15 मात्रा), धमार, सूलताल एवं चौताल।

.....

बी.ए. तबला–तृतीय वर्ष (स्वाध्यायी)
(प्रायोगिक)

पूर्णांक :200
न्यूनतम उत्तीर्णांक :66

1 पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

3 तीनताल के अतिरिक्त झपताल एवं रूपक ताल में कायदे व पेशकार विस्तार सहित।

3 बनारस घराने के प्रमुख बोल समुदाय एवं बंदिशें बजाने का अभ्यास।

4 रूपक ताल में स्वतंत्र वादन ।

4 कहरवा तथा दादरा ताल को सुगम संगीत की दृष्टि से बजाने का अभ्यास।

5 एकताल एवं तिलवाडा को विलम्बित लय में बजाने का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –46

स्वाध्यायी छात्र–छात्राओं हेतु दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय– तबला
एम.ए./एम.म्यूज प्रथम वर्ष
प्रथम प्रश्नपत्र– इतिहास

समयः 3 घंटा पूर्णांक :100

इकाई 1

नाट्य शास्त्र के तालाध्याय के आधार पर मार्ग ताल पद्धति का विस्तृत विवेचन। वर्तमान उत्तर भारतीय ताल पद्धति का विस्तृत विवेचन।

इकाई 2

अवनद्ध एवं धन वाद्यों की परिभाषा, संगीतिका उपयोग तथा नाट्यशास्त्र तथा संगीत रत्नाकर में वर्णित निम्नांकित अवनद्ध वाद्यों एव धन वाद्यों का सचित्र वर्णनः–
मृदंग, पणव, दर्दुर, पटह, डमरू, दुन्दुभि, भेरी, झल्लरी, मर्दल निःसाण, करटा, त्रिवली, करताल, कांस्यताल घंटा, जय घंटा, कम्रा, क्षूद्रघंटा।

इकाई 3

प्राचीन एवं मध्ययुगीन ग्रन्थों में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के पाटाक्षर तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन।
नाटयशास्त्र में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के वादन विधि से संबधित पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या तथा वर्तमान वादन विधि में उनकी उपयोगिता।

इकाई 4

तबले की उत्पत्ति एवं विकास का ऐतिहासिक अध्ययन।
पखावज (मृदंग) की उत्पत्ति एवं विकास का ऐतिहासिक अध्ययन। बनावट, आकार, वादन शैली तथा नादात्मकता के आधार पर इन दोनों वाद्यों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई 5

बंदिश की परिभाषा। विस्तारशील– अविस्तारशील बंदिशों, तबले की बंदिशों के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन। पेशकार, कायदा, रेला एवं रौ के रचना सिद्धांतों का विस्तृत विवेचन।

एम.ए./एम.म्यूज प्रथम वर्ष
द्वितीय प्रश्नपत्र–संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

समयः 3 घंटा पूर्णांकः 100

इकाई 1

1. पं. भातखण्डे तथा पं. पलुस्कर की तालांकन पद्धतियों का विस्तृत अध्ययन।
2. कर्नाटक ताल पद्धति की जानकारी व पं भातखण्डे एव पं. पलुस्कर पद्धति का तुलनात्मक विवेचन।

इकाई 2

1. एकल तबला वादन के विकास का ऐतिहासिक परिचय तथा विभिन्न घरानों में एकल तबला वादन के क्रम एवं स्वरूप का अध्ययन।
2. प्राचीन शास्त्र ग्रंथों में वार्णित अवनद्ध वाद्य वादकों के गुण दोष (आधुनिक संदर्भ में)।

इकाई 3

3. किसी ताल के ठेके को किसी अन्य ताल में सम से सम तक में समायोजित कर तालिपि में लिखने का ज्ञान तथा पाठयक्रम के तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखना।

इकाई 4

1. मुखडा, टुकडा, परन के रचना सिद्धांतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन। गत और विभिन्न प्रकारों का विवेचनात्मक सोदाहरण अध्ययन। तिहाई और चकदार का अंतर्निहित सम्बन्ध, तुलनात्मक ज्ञान तथा गणितीय सिद्धांतों का विवेचन।

इकाई 5

1. निम्नलिखित शास्त्रकारों तथा उनके ग्रंथों का सामान्य परिचयः–

   स्वाति मुनि, भरत, मतंग, शारंग देव, व्यंकटमखी, महाराणाकुम्भा, सवाई प्रताप सिंह,

   पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर।

एम.ए./एम.म्यूज प्रथम वर्ष
प्रायोगिक– मौखिक

पूर्णांक : 300

1. पिछले पाठयक्रमों की पुनरावृत्ति।
2. निम्नलिखित मात्रा की तालों में लहरें के साथ सम्पूर्ण एकल वादन करने की योग्यता– 11 मात्रा, 14 मात्रा, 15 मात्रा।
3. त्रिताल के एक आवर्तन मे निम्न तालों के ठेकों के एक आवर्तन को बजाने का अभ्यास– धमार, एकताल, झपताल, रूपक।
4. त्रिताल में विभिन्न जातियों तथा विभिन्न घरानों के पेशकार, कायदे, रेले, सहित सम्पूर्ण एकल वादन की क्षमता।
5. झपताल तथा रूपक में पेशकार, कायदे, रेले, टुकडे, चकदार सहित एकल–वादन।
6. नये टुकडे तथा परन बनाकर वादन की क्षमता।
7. हाथ से तालीं–खाली दिखाकर किसी को ताल में पढन्त करना।
8. शास्त्रीय गायन तथा वादन के साथ तबला– संगति में निपुणता।
9. लोक संगीत तथा सुगम संगीत के साथ संगति करने की क्षमता।

एम.ए./एम.म्यूज प्रथम वर्ष
क्रियात्मक मंच प्रदर्शन

पूर्णांकः 150

1.	आमंत्रित श्रोताओं के सम्मुख एकल वादन :	
	अ– लहरे के साथ त्रिताल में सम्पूर्ण एकल वादन (30 मिनिट)	60
	ब– किसी अन्य ताल में परीक्षक के निर्देशानुसार एकल वादन (15 मिनिट)	40
2.	गायन तथा वादन की संगति।	30
3.	कुशलतापूर्वक तबला मिलाने की योग्यता।	20

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1.	तबला प्रकाश	– श्री भगवतशरण शर्मा
2.	तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2	– पं. रामशंकर पागलदास जी
3.	ताल प्रकाश	– श्री भगवतशरण शर्मा
4.	तबला वाद्य शास्त्र	– डॉ. एम. बी. मराठे
5.	भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन	– डॉ. अरूण कुमार सेन
6.	ताल वाद्यों की आवश्यकता एवं उपयोगिता	– डॉ. चित्रा गुप्ता
7.	तबला वादन के घराने एवं परम्पराएँ	– डॉ. अबान मिस्त्री

परिशिष्ठ –47

एम.ए./एम.म्यूज अंतिम वर्ष
प्रथम प्रश्नपत्र
संगीत का इतिहास

समयः 3 घंटा पूर्णांक– 100

इकाई 1

1. मार्ग तथा देशी एवं उत्तर भारतीय तथा कर्नाटक ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. उपशास्त्रीय तथा सुगम संगीत में प्रयुक्त तालों के विकास का अध्ययन।

इकाई 2

1. संगीत शिक्षण की प्राचीन परम्परा तथा विकास का ऐतिहासिक अध्ययन। संस्थागत शिक्षण प्रणाली का ऐतिहासिक अध्ययन।
2. गुरू शिष्य परंपरा एवं संस्थागत शिक्षण प्रणाली के गुण दोष।

इकाई 3

1. छन्द की परिभाषा तथा छन्दों और तालों के पारस्परिक संबंध का ज्ञान। बंदिशों के संदर्भ मे छन्दों का महत्व।
2. रस–भाव एव ंलय–बोल का संबंध।

इकाई 4

1. वाद्य वर्गीकरण का प्राचीन सिद्धांत तथा आधुनिक युग मे परिवर्तन।
2. भारतीय अवनद्ध वाद्यों के ऐतिहासिक विकास का उनकी बनावट, वादन तकनीक और नादात्मक के आधार पर विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई 5

1. तबला के विभिन्न घरानों की उप्पत्ति का वादन शैली के आधार पर विश्लेषण।
2. निम्नलिखित कलाकारों की वादन विशेषताओं का अध्ययन।
   उस्ताद अहमद जान, थिरकवा, उस्ताद अल्लारखा, पं. सामता प्रसाद, पं. किशन महाराज।

एम.ए./एम.म्यूज अंतिम वर्ष
द्वितीय प्रश्नपत्र–संगीत शास्त्र

समयः 3 घंटा पूर्णांकः 100

इकाई–1

1. त्रिताल मे हर मात्रा से उठकर बत्तीस तिहाइयों के चक्र का अध्ययन तथा त्रिताल में हर मात्रा से नौहक्का तिहाइयां बनाने का अभ्यास।
2. गायन, वादन एवं कत्थक नृत्य के साथ तबला संगति के सिद्धांत तथा उनका विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. पाश्चात्य संगीत के स्टाफ नोटेशन पद्धति का विस्तृत अध्ययन और उत्तर भारतीय तालों को उस लिपि में लिखने का ज्ञान।
2. निम्नलिखित पाश्चात्य अवनद्ध वाद्यों का अध्ययनः कीटल ड्रम, टेनर ड्रम, बास ड्रम, स्टेनर ड्रम।

इकाई–3

1. एकल तबला वादन के संदर्भ मे ताल का चयन, सामग्री चयन, बंदिशों का क्रम, नगमा (लहरा) का महत्व।
2. एक सुन्दर एवं सफल सांगीतिक प्रस्तुति में मंच, मंच सज्जा, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, रंग भूषा एवं वेशभूषा का महत्व।

इकाई–4

1. संगीत संबंधी किसी विषय पर निबन्ध लेखन (न्यूनतम 800 शब्दों में) 40
2. दिये गये बोलों के आधार पर निर्देशानुसार त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, आड़ाचौताल, सवारी, वसंत, शिखर रूद्र, तालों में विभिन्न रचनायें बनाकर तालिपि में लिखना।

इकाई–5

1. किसी ताल के ठेके को किसी अन्य ताल में सम से सम तक समायोजित कर तालिपि मे लिखनें का ज्ञान तथा पाठ्यक्रम के तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखना।

एम.ए./एम.म्यूज अंतिम वर्ष
क्रियात्मक–मौखिक

पूर्णांक : 300

पिछले पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति।

1. निम्नलिखित मात्रा की तालों में लहरे के साथ सम्पूर्ण एकल वादनः–
   मत्त/वसंत (9 मात्रा), जय ताल (13 मात्रा), शिखर (17 मात्रा)।
2. आड़ा चौताल एवं एकताल में लहरें के साथ सम्पूर्ण एकल वादन।
3. त्रिताल में विभिन्न घरानों की विशेषताओं एवं तिस्त्र, मिश्र व खण्ड जाति की रचनाओं सहित सम्पूर्ण सर्वांग एकल वादन करने की क्षमता।
4. त्रिताल, एकताल, झपताल तथा रूपक में किसी निश्चित बोल को विभिन्न लयकारियों के द्वारा प्रस्तुत करने का अभ्यास।
5. त्रिताल में हर मात्रा से उठने वाली विभिन्न तिहाइयों को पढ़ना तथा उन्हें तबले पर बजाने की योग्यता।
6. पाठ्यक्रम के सभी तालों में हाथ से ताली देकर विभिन्न बदिशों की पढ़न्त करना।
7. नृत्य के आमद, परन, तत्कार एवं छन्दों की पढ़न्त एवं उन्हें तबले पर बजाना।
8. प्रचलित तालों के लहरे हारमोनियम पर बजाने की क्षमता तथा गायन वादन के साथ संगति का विशेष अभ्यास।

एम.ए./एम.म्यूज अंतिम वर्ष
क्रियात्मक मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 150

1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष एकल तबला वादनः–
   अ– विद्यार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से अपनी इच्छानुसार किसी एक ताल मे संपूर्ण एकल वादन की प्रस्तुति। (अधिकतम 30 मिनिट) 60
   ब– किसी अन्य ताल में परीक्षक के निर्देशानुसार संपूर्ण एकल वादन (15 मिनिट) 40

2. गायन, वादन की संगति में पूर्ण निपुणता एवं कथक नृत्य के साथ संगति करने की योग्यता। 30
3. तबला मिलाने का पूर्ण ज्ञान। 20

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास जी
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. तबला वाद्य शास्त्र – डॉ. एम. बी. मराठे
5. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन – डॉ. अरूण कुमार सेन
6. ताल वाद्यों की आवश्यकता एवं उपयोगिता – डॉ. चित्रा गुप्ता
7. तबला वादन के घराने एवं परम्पराएँ – डॉ. अबान मिस्त्री

परिशिष्ठ –48

संगीत कला प्रवेशिका–प्रथम वर्ष
तबला (मौखिक)

पूर्णांकः–125

इकाई 1

संगीत की परिभाषा एवं ध्वनि, नाद, स्वर की संक्षिप्त परिभाषाएं।

इकाई 2

लय, ताल, मात्रा, सम, खाली, विभाग, ठेका, तिहाई, तथा आवर्तन की सोदाहरण परिभाषाएं।

इकाई 3

तबला वाद्य की बनावट की जानकारी ।

इकाई 4

पाठ्यक्रम के तालों को पहचानकर पूर्ण करना :–
दादरा, रूपक ,कहरवा, झपताल, त्रिताल।

इकाई 5

तबले के वर्णो का निकास :– धा, धि, ना, कत, घे, गे, के,कत्, ति, तू, ति, ट, या, टे,।

क्रियात्मक

1. हाथ से ताली देकर दादरा, रूपक, कहरवा झपताल तथा त्रिताल के ठेकों की पढ़न्त तथा उनको तबले पर बजाना।
2. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन में बोलना तथा तबले पर बजाना।
3. तबले के वर्णो का निकास : धा, धि, ना, कत, घे, गे, के,कत्, ति, तू, ट, या, टे।
4. त्रिताल में निम्नलिखित दो सरल कायदे तथा एक रेला, दो–दो पल्टे तथा तिहाई के साथ बजाना तथा हाथ से ताली देकर पढ़ना।
   (अ) धा धा ति ट, धा धा ती ना
   (ब) धा धा तिर किट, धा धा ती ना
   (स) धाऽतिर किटधाऽ तिरकिट धाऽधाऽ तिरकिट धाऽतिर किटधाऽ तिरकिट।
5. पाठ्यक्रम के तालों को तबले पर बजते हुए सुनकर ठेकों को पहचानना।
   पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल :– त्रिताल, झपताल, कहरवा, रूपक दादरा।
6. एक मात्रा से चार मात्रा तक के मोहरे (प्रत्येक ताल में) बजाकर सम पर मिलना।

नोटः– शास्त्र मौखिक

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 25

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

परीक्षा क्रियात्मक परीक्षा के साथ सम्पन होगी।

:संदर्भ सूचीः

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –49

संगीत कला प्रवेशिका–द्वितीय वर्ष
तबला–शास्त्र
(वस्तुनिष्ठ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पद्धति पर आधारित)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

इकाई 1

मंद्र, मध्य, तार, सप्तक, आरोह तथा अलंकार की जानकारी।

इकाई 2

विलम्बित, मध्य, एवं द्रुत लय की परिभाषा एवं खाली–भरी की जानकारी। कायदा, रेला तथा मुखड़े की परिभाषा।

इकाई 3

तबला बांये की रचना की संपूर्ण जानकारी। तिट, तिरकिट, धागे, धिनगिन, किड़नग आदि को तबला–बांयें पर निकालने की विधि का ज्ञान।

इकाई 4

भातखण्ड़े ताल लिपि का सामान्य ज्ञान। प्रथमा (प्रथम वर्ष) के कायदे एवं रेलों को तालिपि में लिखना।

इकाई 5

प्रथम वर्ष के अतिरिक्त एकताल, आड़ाचौताल एवं तिलवाड़ा तालों का ज्ञान।

क्रियात्मक **पूर्णांकः–125**

1 प्रथम वर्ष के तालों के अतिरिक्त एकताल, आड़ाचौताल तथा तिलवाड़ा तालों के ठेके हाथ से ताली देकर बोलना तथा तबले पर बजाना।

2 तिट, तिरकिट, धागे, धिनगिन, घिड़नग, किड़नग, इन बोलों को तबले तथा बांयें पर बजाना।

3 त्रिताल, झपताल, दादरा, रूपक, और कहरवा तालों को दुगुन तथा चौगुन में बजाना।

4 त्रिताल में प्रथम वर्ष के कायदों तथा रेले के अतिरिक्त :–

(अ) धाति टधा तिट धाधा तिट धागे तिन किन –यह कायदा चार पल्टे तथा तिहाई सहित दुगुन में बजाना एवं पढ़ना।

(ब) धाऽ तिर किट धाऽ तिट घेन धाति घेन तिन किन – यह कायदा चार पल्टे तथा तिहाई सहित दुगुन में बजाना एवं पढ़ना।

(स) धातित् धातित् धाधा धिंधा, धिंधा धातित् धाधा धिंधा यह पेशकार दो सरल प्रकारों सहित बजाना एवं पढ़ना।

5 चार मात्रा से आठ मात्रा तक के मोहरे (पाठ्यक्रम की तालों में) बजाकर सम पर मिलना

6 चार मात्रा से आठ मात्रा की तिहाइयॉ।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 25

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूचीः

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. संगीत शास्त्र परिचय – डॉ.एम. बी. मराठे
5. ताल शास्त्र परिचय – डॉ. एम. बी. मराठे

परिशिष्ठ –50

संगीत कला मध्यमा–प्रथम वर्ष
तबला (शास्त्र)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

इकाई 1.

श्रुति की परिभाषा तथा शुद्ध एवं विकृत 12 स्वरों की जानकारी। आलाप, तान, सरगम, एवं लक्षण गीत की परिभाषा।

इकाई 2

पाठ्यक्रम में अब तक सीखे गए तालों के अतिरिक्त निम्नांकित तालों के ठेकों को दुगुन, चौगुन में लिखना–झूमरा, चौताल, सूलताल।

इकाई 3

तबले की उत्पत्ति की संक्षिप्त ऐतिहासिक जानकारी। दिं, त्रक, घ्ड़ान, क्ड़धातिट, क्ड़ान, घेघेतिट इन बोल समूहों की जगह तथा उनकी निकास विधि की जानकारी।

इकाई 4

उदाहरण सहित संक्षिप्त जानकारी–ग्रह, मुखडा मोहरा लग्गी, तिहाई (दमदार एवं बेदम), सरल परन, पेशकार।

इकाई 5

अभ्यास किए हुए निम्नालिखित कायदे व रेले को चार पल्टों सहित ताल लिपि में लिखने का ज्ञान।

(अ) धाति धागे नधा तिरकिट। धाति धागे तिन किन।

(ब) धाऽतिर घिडनग धाऽतिर घिडनग। धाऽतिर घिडगन तीना किड़नग।

(स) रूपक, त्रिताल, तथा झपताल में दो–दो मुखड़े लिखने का अभ्यास।

क्रियात्मक

पूर्णांक–125

1. प्रथमा परीक्षा हेतु निर्धारित तालों के अतिरिक्त–झूमरा, चौताल तथा सूलताल के ठेके हाथ से ताली देकर पढ़ना एवं तबले पर बजाना।

2. दिं, त्रक, क्ड़ान, क्डधातिट, घेघेतिट, घ्ड़ान– इन बोलों को तबलें तथा बांयें पर निकालना।

3. प्रथमा (प्रथम तथा द्वितीय वर्ष) के कायदों के अतिरिक्त निम्न कायदे व रेले को चार पल्टे तथा तिहाई के साथ चौगुन में बजाना (त्रिताल में)।
   (अ) धाति धागे नधा तिरकिट। धाति धागे तिन किन।
   (ब) धाऽतिर घिडनग धाऽतिर घिडनग। धाऽतिर घिडगन तीना किड़नग।
   (स) धागेनधा तिरकिट धिनगिन धागेनधा तिरकिट।
   (द) धाऽत्रक धिनगिन धागेत्रक धिनगिन।

4. रूपक, त्रिताल तथा झपताल में दो–दो मुखड़े व तिहाईयां।

5. लहरे के साथ पाठ्यक्रम के 6, 7, 8, 10 मात्राओं के ठेके बजाना तथा उनकी दुगुन चौगुन करना।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 25

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।
कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –51

संगीत कला मध्यमा–द्वितीय वर्ष
तबला (शास्त्र)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

इकाई 1

तबला वादक के गुण–दोष। काल, मार्ग, क्रिया, तथा अंग की संक्षिप्त जानकारी। प्रायोगिक पाठ्यक्रम में सीखे गये विभिन्न रचना प्रकारों को ताल लिपि में लिखने का अभ्यास।

इकाई 2

मुगल काल से अब तक के संगीत का संक्षिप्त इतिहास तथा तबले के घरानों की संक्षिप्त जानकारी।

इकाई 3

गीत के अवयव–स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग, की जानकारी। निम्नलिखित पर टिप्पणियां–परन (चक्करदार तथा फरमाईशी), उठान, गत, स्वतंत्र वादन, संगत खुले तथा बन्द बोल।

इकाई 4

पिछले वर्षो में सीखे गये तालों के अतिरिक्त धमार तथा सवारी (15 मात्रा) तालों की दुगुन तथा चौगुन तालिपि में लिखना। रूपक, झपताल, एकताल, इन तालों के ठेके तिगुन की लयकारी में तालिपि में लिखना।

इकाई 5

विष्णु दिगम्बर तालिपि पद्वति की संक्षिप्त जानकारी। तथा पाठ्यक्रम के तालों को विष्णु दिगम्बर तालिपि में लिखना।

क्रियात्मक (प्रायोगिक)

पूर्णांक–125

1. तीनताल व झपताल में लहरे के साथ पेशकार, कायदे, रेले, मुखड़े, तिहाई, तथा सरल परन, चक्करदार परन के साथ स्वंतत्र वादन तथा हाथ से ताली देकर पढ़न्त।
2. तीनताल में :–(अ) बनारस घराने का कोई एक कायदा चार पल्टे, तिहाई सहित।

   (ब) धाऽतिर किटतक धिरधिर किटतक धाऽतिर किटतक तीनाकिटतक, रेला चार पलटों व तिहाई सहित बजाना।
3. रूपक में सरल परन लहरे के साथ बजाना। तथा एकताल में दो मुखड़े व दो तिहाई लहरे के साथ बजाना।
4. चौताल, धमार, सूलताल, इन तीनों तालों को खुले हाथ से तबले पर बजाना।
5. दादरा तथा कहरवा में चार–चार लग्गियां तथा तिहाई।
6. विलंबित एकताल एवं तिलवाड़ा, ठेके बजाने का अभ्यास तथा त्रिताल, एकताल का द्रुत ठेका तैयारी के साथ बजाना।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 25

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

:संदर्भ सूचीः

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा

परिशिष्ठ –52

संगीत कला विद्–प्रथम वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र (शास्त्र–इतिहास)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

इकाई 1

भारतीय वाद्यों के वर्गीकरण की संक्षिप्त जानकारी। तबले की उत्पत्ति एवं विकास का संक्षिप्त परिचय।

इकाई 2

तबले के दिल्ली एवं अजराड़ा घरानों की जानकारी एवं इन घरानों के वादन की शैलीगत विशेषताएं।

इकाई 3

प्रथमा एवं मध्यमा के पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति। भातखंडे एवं पलुस्कर ताललिपि पद्वतियों का तुलनात्मक अध्ययन।

ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई 4

तबला वादकों की जीवनी एवं उनके वादन की विशेषताएं :–

पंडित रामसहाय, पं. कण्ठे महाराज, पं. कुदऊ सिंह, पं. रामशंकर पागलदास, पं. शारदा सहाय, उस्ताद नत्थू खां, उस्ताद मुनीर खां, उस्ताद अहमदजान थिरकवा, उस्ताद हबीबुद्दीन खां।

इकाई 5

निम्नलिखित वाद्यों का सचित्र परिचय :–

बांसुरी,, शहनाई, हार्मोनियम, तानपुरा, पखावज, ढोलक, घुंघरू, बेला (वायलिन) सितार।

संगीत कला विद् –प्रथम वर्ष
द्वितीय प्रश्न पत्र–(क्रियात्मक सिद्धांत)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

इकाई 1

निम्नलिखित तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन चौगुन में लिखना –त्रिताल, तिलवाडा, आडाचौताल, कहरवा, दादरा, झूमरा, धमार।

समान मात्रा के तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

एकताल–चारताल, झपताल–सूलताल, रूपक–तीव्रा, झूमरा–धमार ।

इकाई 2

लय एवं लयकारी को परिभाषित करते हुए आड़ी, कुआड़ी (सवाई) लयकारी को लिखना। दिये गये बोल समूहों के आधार पर विभिन्न तालों में सम से सम तक की तिहाईयां बनाकर लिपिबद्ध करना।

इकाई 3

त्रिताल तथा रूपक में पेशकार, कायदा, तिहाई, चक्करदार, टुकड़े, परन आदि तालिपि में लिखना ।

इकाई 4

शास्त्रीय गायन, वादन एवं नृत्य में तबला संगति की सामान्य जानकारी। गजल, भजन चैती, कजरी, दादरा इन गीत प्रकारों की जानकारी एवं इनके साथ तबला संगति की जानकारी ।

इकाई 5

निम्नलिखित की उदाहरण सहित परिभाषाएं :– ताल, ठेका, कायदा, पेशकार, मुखड़ा, टुकडा, दमदार तिहाई, बेदमदार तिहाई, सरल परन, चक्रदार परन, फरमाईशी चक्करदार परन।

क्रियात्मक

पूर्णांकः–150

1. त्रिताल, झपताल के अतिरिक्त रूपक में संपूर्ण वादन।
2. त्रिताल में दिल्ली एवं अजराड़ा घराने की विशेषताओं से युक्त बंदिशों को बजाने का अभ्यास।
3. ''धिरधिर किटतक'' एवं '' तिरकिट'' के रेले विस्तार सहित तैयारी में बजाना।
4. त्रिताल में विभिन्न मात्राओं से तिहाईयां बजाने का अभ्यास ।
5. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन, तिगुन तथा चौगुन में पढ़ना तथा तबले पर बजाना।
6. दादरा, कहरवा में लग्गियां तथा तिहाई बजाना।
7. गायन, वादन के साथ तबला संगति की जानकारी।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 – डॉ. एम. बी. मराठे

परिशिष्ठ –53

संगीत कला विद् –अंतिम वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र–तबला

समयः 3 घंटे **पूर्णांकः–50**

इकाई 1

कर्नाटक ताल पद्वति एवं ताल–लिपि की जानकारी। ताल के 10 प्राणों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई 2

घन एवं तत् वाद्यों का सचित्र वर्णन :–

(अ) घंटा, कांस्यताल, जयघंटा, मंजीरा, झांझ।

(ब) सरोद, सारंगी, संतूर, विचित्र वीणा, सितार।

इकाई 3

तबला स्वतंत्र वादन का संक्षिप्त इतिहास तथा विभिन्न घरानों मे तबला एकल वादन का क्रम तथा बारहवीं शताब्दी तक के भारतीय संगीत के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी।

इकाई 4

लखनऊ, बनारस, फर्रूक्खाबद तथा पंजाब घरानों का इतिहास एवं शैलीगत विशेषतायें।

इकाई 5

निम्न वाद्यों का सचित्र वर्णनः–

(अ) मृदंगम, पखावज, तबला, खोल, खंजरी, नाल।

(ब) निम्नलिखित तबला वादकों की जीवनी एवं वादन विशेषताये :–

उस्ताद अबिद हुसैन खॉ, पंडित सामता प्रसाद (गुदई महाराज), पंडित अनोखेलाल, पंडित किशन महाराज, उस्ताद करामतउल्ला खॉ, उस्ताद अल्लारक्खा खॉ, नाना पानसे, राजा छत्रपति सिंह, पं. अयोध्या प्रसाद।

संगीत कला विद् – अंतिम वर्ष
द्वितीय प्रश्न पत्र–क्रियात्मक सिद्धांत

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 50**

इकाई 1

ध्रुपद, ख्याल, ठुमरी, मसीतखानी एवं रजाखानी गीत एवं गत प्रकारों की जानकारी। आमद, उठान, कवित्त्, तत्कार तोड़े आदि की उदाहरण सहित व्याख्या।

इकाई 2

कायदा, एवं रेले के रचना सिद्वांत तथा प्रस्तार नियम।त्रिताल, झपताल तथा रूपक ताल में विभिन्न कायदे एवं रेले (विस्तार सहित) लिपिबद्ध करने ज्ञान।

इकाई 3

निम्नलिखित तालों के ठेके–आड़(3/2), कुआड़(5/4), तथा बिआड़(7/4) की लयकारी में लिखने का अभ्यास – रूपक, झपताल, एकताल, आड़ाचारताल, सवारी (15 मात्रा) तीन ताल।

इकाई 4

गत एवं गत के विभिन्न प्रकारों की जानकारी। तबला स्वत्रंत वादन एवं संगति के सिद्धांत।

इकाई 5

किसी तिहाई के बोलों को न बदलते हुए इसे अन्य तालों में सम से सम तक समायोजित करना व ताल लिपि में लिखना। निम्नलिखित की उदाहरण सहित परिभाषाएं :– परन, कमाली परन, फरमाईशी परन, चक्करदार परन, तिहाई, नौहक्का।

क्रियात्मक(प्रायोगिक)

पूर्णांक : 150

1. त्रिताल, झपताल व रूपक के अतिरिक्त एक ताल में सम्पूर्ण स्वत्रंत वादन।
2. त्रिताल में लखनऊ, बनारस, फर्रूक्खाबाद घरानों की विशेषताओं को प्रदर्शित करने की क्षमता।
3. एकताल, तिलवाड़ा, झूमरा एवं दीपचंदी तालों को संगति की दृष्टि से विलंबित लय में बजाने का अभ्यास।
4. आड़ा चौताल मे मुखड़े, टुकड़े एवं तिहाईयों को बजाना।
5. दी गई तिहाई को दम और लय मे परिवर्तन के द्वारा विभिन्न तालों मे समायोजित करना।
6. कहरवा, रूपक एवं दादरा मे लग्गियां एवं तिहाईयां को बजाने का अभ्यास।
7. त्रिताल, झपताल एवं रूपक को आड़ की लयकारी मे पढ़ना एवं बजाना ।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 – श्री गिरीष चन्द्र श्रीवास्तव

परिशिष्ठ –54

संगीत कला रत्न –प्रथम वर्ष
प्रथम प्रश्नपत्र–इतिहास

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

इकाई 1

तबले के संदर्भ में घराना और बाज की व्याख्या। तबले के सभी घरानों का विस्तृत ऐतिहासिक अध्ययन।

इकाई 2

निम्नलिखित शास्त्रकारों के सांगीतिक योगदान का परिचय :– स्वाति, भरत, मंतग, शारंगदेव, महाराणा कुंभा, पार्श्वदेव, व्यंकटमखी, महाराजा सवाई, प्रताप सिंह देव।

इकाई 3

उत्तर एवं दक्षिण भारतीय लोक संगीत के प्रमुख अवनद्व एवं घन वाद्यों की जानकारी :– खंजरी, डमरू, नक्कारा, ढ़ोल, ढ़ोलक, डफ, डफली, नाल, खोल, कांस्य ताल, घड़ियाल, घटम, मुखचंग, करताल, झांझ।

इकाई 4

निम्नलिखित वाद्यों के विकास का ऐतिहासिक परिचय :– दुंदुभि, पणव, पटह, दर्दुर, मृदंग, ड़मरू। वाद्यों के वर्गीकरण के सिद्वांत का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई 5

उत्तर भारतीय ताल पद्वति का विस्तृत अध्ययन। उत्तर भारतीय तथा कर्नाटक ताल पद्वति का तुलनात्मक अध्ययन।

संगीत कला रत्न–प्रथम वर्ष
द्वितीय प्रश्न पत्र–क्रियात्मक सिंद्धात

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

इकाई 1

भातखण्डे व पं. पलुस्कर ताललिपि पद्वतियों का विस्तृत अध्ययन। पाश्चात्य स्वर ताललिपि पद्वति का सामान्य ज्ञान।

इकाई 2

गायन, वादन, एवं नृत्य के साथ तबला संगति के सिंद्वात।संगीत संबंधी किसी विषय पर निंबध लेखन।

इकाई 3

त्रिताल, तिलवाड़ा, सवारी (15 मात्रा), गजझम्पा, आड़ाचौताल, धमार, दीपचंदी, झूमरा, एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल, कहरवा, रूपक, तीव्रा, दादरा इन तालों को विभिन्न लयकारियों में ताललिपि में लिखने का अभ्यास :– जैसे – पौनगुन, सवागुन पौने दो गुन, सवा दो गुन।

इकाई 4

तिहाई एवं चक्रदार रचनाओं का गणितीय विवेचन तथा दिये गये बोलों के आधार पर तिहाई एवं चक्रदार की रचना कर ताल लिपि में लिखना।

इकाई 5

पेशकार, कायदा, रेला, तथा लग्गी के रचना सिद्वांत एवं विस्तार का ज्ञान।

संगीत कला रत्न–प्रथम वर्ष
क्रियात्मक

पूर्णांक : 200

1. त्रिताल, झपताल तथा एकताल में संपूर्ण स्वतंत्र वादन (विभिन्न प्रकार के कायदों, रेले, गतों, परनों, टुकड़ों, चक्करदार, तथा तिहाईयों सहित)।
2. रूद्र (11 मात्रा) तथा सवारी (15 मात्रा) में सम्पूर्ण वादन।
3. ठेको के माध्यम से लयकारी का प्रदर्शन :– त्रिताल, झपताल, रूपक, और एकताल इन तालों के ठेके परस्पर एक आवर्तन के हिसाब से बजाने का अभ्यास।
4. घरानों की विशेषताओं को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न घरानों की बंदिशों को पढ़ने व बजाने का अभ्यास।
5. झूमरा, एकताल, त्रिताल, दीपचंदी, तिलवाड़ा, झपताल, आड़ाचौताल, तीव्रा, सूलताल व धमार इन तालों के ठेके संगत की दृष्टि से उपयुक्त लयों में निरंतर बजाने का अभ्यास।
6. सुगम संगीत में प्रयुक्त तालों के विभिन्न ठेके तथा लग्गियां, लड़ियां और तिहाईयां बजाने का अभ्यास।

मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 150

1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष तबला स्वत्रंत वादन का प्रदर्शन :–

   (अ) त्रिताल, झपताल, रूपक तथा एकताल में से किसी एक ताल में न्यूनतम 20 मिनट तबला वादन। (10 मिनिट परीक्षार्थी की इच्छानुसार एवं 10 मिनिट परीक्षक के निर्देशानुसार)

   (ब) रूद्र तथा सवारी में से किसी एक ताल में न्यूनतम 10 मिनट वादन।

2 तबला स्वर मे मिलाने का ज्ञान।

3 गायन/वादन के साथ तबला संगति का प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास जी
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. तबला वाद्य शास्त्र – डॉ. एम. बी. मराठे
5. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन – डॉ. अरूण कुमार सेन
6. ताल वाद्यों की आवश्यकता एवं उपयोगिता – डॉ. चित्रा गुप्ता
7. तबला वादन के घराने एवं परम्पराऍं – डॉ. अबान मिस्त्री
8. भारतीय संगीत वाद्य – डॉ. लालमणि मिश्र
9. ताल परिचय भाग–3 – पं. गिरीषचन्द्र श्रीवास्तव

परिशिष्ठ –55

संगीत कला रत्न–द्वितीय वर्ष
प्रथम प्रश्नपत्र (इतिहास)

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

इकाई 1

पखावज एवं तबला का इतिहास एवं विकास। पखावज एवं तबला की वादन शैलियों की विशेषताओं का विस्तृत अध्ययन।

इकाई 2

अवनद्ध वाद्यों की उत्पत्ति के ऐतिहासिक विकासक्रम का गहन अध्ययन। प्राचीन शास्त्रों में वर्णित अवनद्ध वाद्य वादकों के गुण–दोष।

इकाई 3

प्राचीन व मध्ययुगीन ग्रन्थों में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के बोल (पटाक्षर) व उनकी रचनाओं का सामान्य ज्ञान। अवनद्ध वाद्यों की वादन विधि से संबंधित नाट्यशास्त्र में वर्णित पारिभाषिक शब्दों की संक्षिप्त जानकारी।

इकाई 4

मार्गी और देशी ताल पद्वति का विस्तृत अध्ययन। प्राचीन एवं वर्तमान ताल पद्धतियों की समानताएं एवं विभिन्नताएं।

इकाई 5

निम्नलिखित पाश्चात्य अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन तथा इनका भारतीय अवनद्ध वाद्यों से तुलनात्मक अध्ययन– कीटल ड्रम, टेनर ड्रम, स्नेअर ड्रम तथा बास ड्रम।

संगीत कला रत्न–द्वितीय वर्ष
द्वितीय प्रश्न पत्र–क्रियात्मक सिद्धांत

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

इकाई 1

छन्द की परिभाषा। मात्रिक, वार्णिक एवं मुक्त छन्द। ताल और छन्द का पारस्परिक संबंध। तबले की बंदिशों में छन्दात्मकता।

इकाई 2

स्वतंत्र तबला वादन परम्पराएं एवं सिद्वांत। संगीत संबंधी किसी विषय पर निंबध।

इकाई 3

दिये गये बोलो के आधार पर कायदा, रेला, तिहाई तथा टुकड़ा आदि की रचना कर ताल लिपि में लिखना। किसी ताल में अन्य तालों के ठेके को (सम से सम तक) समायोजित कर लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

इकाई 4

मत्त (नौ मात्रा), रूद्र (ग्यारह मात्रा), जयताल (तेरह मात्रा), सवारी (पन्द्रह मात्रा) तथा शिखर ताल (17 मात्रा) में विभिन्न प्रकार की बंदिशों को लिखने का अभ्यास।

इकाई 5

गत एवं परन के विभिन्न प्रकारों का विशिष्ट अध्ययन तथा निर्देशानुसार तालिपि में लिखना। कथक नृत्य की रचनाओं का सामन्य ज्ञान एवं तबला वाद्य पर उनका निकास।

संगीत कला रत्न–द्वितीय वर्ष
क्रियात्मक

पूर्णांक : 200

1. त्रिताल, रूपक, झपताल और एकताल में संपूर्ण वादन। (विभिन्न प्रकार के कायदों, रेलों, गतों परनों, टुकड़ों, चक्करदार तथा तिहाईयों सहित)
2. 9 तथा 13 मात्रा के तालों में संपूर्ण स्वतंत्र वादन।
3. ठेकों के माध्यम से लयकारी का प्रदर्शन।
4. बंदिशों का विशलेषणात्मक विवेचन करते हुए घरानेदार बंदिशों को पढ़ने व बजाने का अभ्यास।
5. सुगम संगीत में प्रयुक्त आधुनिक ठेके तथा लग्गियां, लड़ियां व तिहाईयां बजाने का अभ्यास।
6. शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त सभी ठेके संगत की दृष्टि से उपयुक्त लयों में निरन्तर बजाने का अभ्यास।

मंच प्रदर्शन

पूर्णांकः–150

1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष तबला स्वत्रंत वादन का प्रदर्शन :–
   (अ) रूपक, झपताल तथा एकताल में से किसी एक ताल में न्यूनमम 20 मिनिट। (परीक्षार्थी की इच्छानुसार)
   (ब) 9 तथा 13 मात्रा में से किसी एक ताल में न्यूनतम 10 मिनट। (परीक्षक की इच्छानुसार)
2. तबला स्वर मे मिलाने का ज्ञान।
3. गायन/वादन/नृत्य के साथ संगति का प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखी गई रचनाओं को तालिपि में लिखना।
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिपोर्ट।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास जी
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. तबला वाद्य शास्त्र – डॉ. एम. बी. मराठे
5. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन – डॉ. अरूण कुमार सेन
6. ताल वाद्यों की आवश्यकता एवं उपयोगिता – डॉ. चित्रा गुप्ता
7. तबला वादन के घराने एवं परम्पराऍं – डॉ. अबान मिस्त्री